Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 155 | रविवार, 14 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जोरहाट एयरबेस पर आईएएफ का प्लेन लैंडिंग के वक्त क्रैश, दो हिस्सों में बंट गया विमान, 5 जवान शहीद

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना (कअत्र) का एक AN-32 विमान असम के जोरहाट एयरबेस (रौरिया एयरफोर्स स्टेशन) पर हादसे का शिकार हो गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक विमान में लैंडिंग के बाद आग लग गई। घटना जोरहाट एयरबेस के भीतर हुई। एयरबेस पर मौजूद फायर ब्रिगेड और इमरजेंसी टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। भारतीय वायु सेना ने बयान जारी करके कहा कि उसका एक AN-32 विमान शनिवार को असम के जोरहाट में नियमित उड़ान (रूटीन सॉर्टी) के दौरान सुबह लगभग 10 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

वायु सेना ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर प्रारंभिक जांच जारी है। वायु सेना ने लोगों से अपील की है कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट आने तक किसी भी तरह की अटकलों से बचें। वायु सेना ने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है और जैसे-जैसे नई जानकारी उपलब्ध होगी, उसे सार्वजनिक किया जाएगा। भारतीय वायु सेना ने इस हादसे में अपने पांच कर्मियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

AN-32 अब तक 22 दुर्घटनाओं का शिकार

वर्ष 1986 से अब तक AN-32 विमान भारत में लगभग 22 दुर्घटनाओं का शिकार हो चुका है। इसकी सबसे हालिया दुर्घटना वर्ष 2025 में दर्ज की गई थी। दुर्घटनाओं के इतिहास के बावजूद AN-32 भारतीय वायु सेना के सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले परिवहन विमानों में शामिल है और देशभर में लॉजिस्टिक सपोर्ट, सैनिकों की आवाजाही तथा विभिन्न ऑपरेशनल मिशनों में आज भी इसकी अहम भूमिका बनी हुई है।

इसी साल मार्च में भारतीय वायु सेना का एक सुखोई-30 एमकेआई (Su-30MKI) लड़ाकू विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरागकर की मौत हो गई थी। विमान ने जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी। यह हादसा असम के कार्बी आंगलोंग जिले के बोकाजन सब-डिवीजन स्थित इंगलोंग एकोपी पहाड़ी क्षेत्र में हुआ था, जो जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित है।

IAF का भरोसेमंद कार्गो विमान है AN-32

भारतीय वायु सेना का अल्ल३ङ्कल्लङ्क५ अठ-32 एक दो इंजन वाला कार्गो प्लेन है, जिसे मूल रूप से सोवियत संघ की एंटोनोव डिजाइन ब्यूरो ने डेवलप किया था। यह विमान AN-32 का अपग्रेडेड वर्जन है और विशेष रूप से ऊंचाई वाले क्षेत्रों, गर्म मौसम और कठिन परिस्थितियों में संचालन के लिए तैयार किया गया है। भारतीय वायु सेना ने 1980 के दशक से AN-32 को अपने कार्गो फ्लीट का अहम हिस्सा बनाया हुआ है।

भारतीय वायु सेना AN-32 का उपयोग सैनिकों, हथियारों, सैन्य उपकरणों और राहत सामग्री के परिवहन के लिए करती है। यह विमान हिमालयी क्षेत्रों, पूर्वोत्तर राज्यों और सीमावर्ती इलाकों में रसद आपूर्ति की रीढ़ माना जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह छोटे रनवे पर भी टेक ऑफ और लैंडिंग करने में सक्षम है। विमान लगभग 6 I7 टन तक का भार ले जा सकता है और इसमें 40 से अधिक सैनिकों को एक साथ ले जाने की क्षमता है। भारतीय वायु सेना के पास लंबे समय तक 100 से अधिक AN-32 विमान रहे हैं। समय-समय पर इनका अपग्रेडेशन भी किया गया है। इसमें मॉडर्न एवियोनिक्स, नेविगेशन और सिक्योरिटी सिस्टम का अपग्रेडेशन शामिल है। हालांकि, लंबे समय से सेवा में रहने के कारण इन विमानों को चरणबद्ध तरीके से नए परिवहन विमानों से बदलने की योजना पर भी काम चल रहा है। इसके बावजूद अठ-32 आज भी भारतीय वायु सेना के सबसे भरोसेमंद परिवहन विमानों में गिना जाता है और आपदा राहत, सैन्य अभियानों और मानवीय सहायता मिशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

हादसे में वायु सेना के 5 जवान शहीद

स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह

फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार

सार्जेंट जितेंद्र शर्मा

अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत

अग्निवीरवायु दानिश आलम

ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत, अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं। विमान के को-पायलट को जीवित रेस्क्यू किया गया है और उसका इलाज जारी है। भारतीय वायु सेना ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और कहा कि इस दुख की घड़ी में उनके साथ मजबूती से खड़े हैं। जानकारी के मुताबिक विमान लैंडिंग स्ट्रिप पर नहीं लैंड कर सका था, बल्कि एयरसबेस के उबड़-खाबड़ और घास वाले हिस्से में उसकी लैंडिंग हुई। बता दें कि असम के जोरहाट स्थित रौरिया एयर फोर्स स्टेशन (Rowriah Air Force Station) पूर्वोत्तर भारत में भारतीय वायु सेना के प्रमुख सैन्य ठिकानों में से एक है। यह एयरबेस असम समेत पूरे पूर्वोत्तर में वायु अभियानों, सैन्य रसद आपूर्ति और रणनीतिक गतिविधियों के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सूत्रों के मुताबिक जोरहाट एयरबेस पर लैडिंग के वक्त विमान में धमाका हुआ और आग लग गई। विमान बीच से दो हिस्सों में बंट गया।

बीजेपी का पंजाब मिशन 2027: सभी 117 सीटों पर अकेले लड़ेगी चुनाव, अब नहीं गठबंधन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। 13 जून को नई दिल्ली में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग के बाद, भारतीय जनता पार्टी ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों में सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की अपनी योजना की पुष्टि की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने पत्रकारों से कहा कि हमने पंजाब की राजनीति पर चर्चा की। यह बहुत अच्छी बैठक थी। पंजाब के लिए हमारा एकमात्र एजेंडा विकास है। हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे; अभी गठबंधन की कोई बात नहीं हो रही है। हम पंजाब में बीजेपी की सरकार बनाएंगे। बीजेपी नेता मनप्रीत सिंह बादल ने भी पंजाब की आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए डबल-इंजन सरकार बनाने के मकसद से, बिना किसी गठबंधन के हर सीट पर चुनाव लड़ने की पार्टी की रणनीति की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी नेता नितिन नवीन की अगुवाई में पंजाब बीजेपी की बैठक हुई। इस बैठक में पंजाब के सामने मौजूद चुनौतियों, उनके समाधान और आने वाले चुनावों को लेकर लोगों की उम्मीदों पर चर्चा की गई। हमने इस बात पर विचार किया कि पंजाब को आर्थिक और सामाजिक संकट से कैसे बाहर निकाला जाए और उसकी खोई हुई प्रतिष्ठा को कैसे बहाल किया जाए।

अनिल अंबानी के करीबी गौतम दोशी पर ईडी का शिकंजा, आरकॉम मनी लॉन्ड्रिंग केस में 5 दिन की कस्टडी

राउज एवेन्यू कोर्ट ने गौतम भईलाल दोषी को 18 जून तक 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया। उन्हें रिलायंस कम्युनिकेशंस (RCom) से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ़्तार किया गया है। दोषी रिलायंस टेलीकॉम के पूर्व डायरेक्टर हैं। उन्हें सुबह करीब 8 बजे वेकेशन जज के घर पर पेश किया गया। वेकेशन जज गौरव राव ने ईडी और आरोपी के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद गौतम भईलाल दोषी को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया। वे रिलायंस एडीए ग्रुप के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर में से एक थे और रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के डायरेक्टर भी थे। आरोपी को जज के सामने पेश करने के बाद, एऊने आरोपी की 14 दिन की कस्टडी रिमांड की मांग करते हुए एक अजी दाखिल की। कोर्ट ने ईडी की दलीलों और आरोपों की गंभीरता को देखते हुए दोषी की कस्टडी मंजूर कर ली। साथ ही, पूरी साज़िश का पता लगाने, फंड का पूरा ट्रेल (लेन-देन का रास्ता) और उसकी रिकवरी का पता लगाने, और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच करने के लिए भी यह जरूरी था।

वेकेशन जज ने 13 जून को आदेश दिया, 'मैं आरोपी को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेजना सही समझता हूँ। इसलिए, आरोपी को 5 दिन के लिए ईडी की कस्टडी में भेजा जाता है और उसे अब 18 जून, 2026 को शाम 4:00 बजे या उससे पहले राउज एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, नई दिल्ली में वेकेशन जज के सामने पेश होना होगा। गौतम भाईलाल दोषी पर आरोप है कि वे रिलायंस ADA ग्रुप में काफी अधिकार और कंट्रोल वाले पद पर थे और ग्रुप के फाइनेंशियल, कॉर्पोरेट और ऑफशोर कामकाज से गहराई से जुड़े हुए थे। जांच से पता चला है कि वे रिलायंस ADA ग्रुप के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर में से एक थे, उस दौरान रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के डायरेक्टर थे, उसकी ऑडिट कमेटी के सदस्य थे, ग्रुप की 105 कंपनियों के 161 बैंक अकाउंट्स पर बैंकिंग अधिकार रखते थे, और उन्हें विदेशी फाइनेंसिंग व्यवस्था, FCCB जारी करने, विदेशी बैंक अकाउंट्स और ऑफशोर कॉपोरेट स्ट्रक्चर से जुड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई थीं। कोर्ट ने कहा कि जांच के दौरान इकट्ठा किए गए सबूत यह साबित करते हैं कि वह उस फाइनेंशियल सिस्टम के मैनेजमेंट, देखरेख और कंट्रोल में सक्रिय रूप से शामिल थे, जिसके जरिए देश और विदेश की कंपनियों के बीच फंड जुटाया, भेजा और इस्तेमाल किया गया था। ईडी के अनुसार, मुख्य आरोप यह है कि RCOM, M/s रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड और M/s रिलायंस इन्फ्राटेल लिमिटेड (जिन्हें मिलाकर रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप या RAAG कहा जाता है) ने बैंकों के एक ग्रुप (कंसोर्टियम) से कई बैंकिंग व्यवस्थाओं के जरिए गलत जानकारी देकर और धोखा देकर क्रेडिट सुविधाएँ लीं। आगे यह भी आरोप है कि इन सुविधाओं के तहत पैसा मिलने के बाद, बैंक के फंड का गलत इस्तेमाल किया गया। इसके लिए ऐसे ट्रांजैक्शन किए गए जो क्रेडिट सुविधाओं की मंजूरी की शर्तों और नियमों का उल्लंघन थे। ईडी ने यह भी आरोप लगाया कि RAAG ने उसी दौरान ऐसे बैंकों से भी क्रेडिट सुविधाएँ लीं जो उस कंसोर्टियम का हिस्सा नहीं थे। इसमें आपस में जुड़े कई ट्रांजैक्शन शामिल हैं, क्योंकि कंसोर्टियम बैंकों से ली गई क्रेडिट सुविधाओं का इस्तेमाल उन बैंकों के क्रेडिट का भुगतान करने के लिए भी किया गया जो कंसोर्टियम का हिस्सा नहीं थे।

आरोप है कि कंसोर्टियम बैंकों और गैर-कंसोर्टियम बैंकों से ली गई कुल

टीएमसी में बगावत के सुर थमे? अभिषेक बनर्जी पर नरम पड़े कल्याण, बोले- 'बेटा है, पिता माफ करता है'

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी की पार्टी में बढ़ती ताकत पर सवाल उठाने और सार्वजनिक रूप से उन पर निशाना साधने के दो दिन बाद ही, शनिवार को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने सुलह का रुख अपनाया। उन्होंने अभिषेक को अपना 'बेटा' बताया और पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी पार्टी को तोड़ने की धमकी देने वाले बागी गुट के खिलाफ एकजुटता दिखाई।

उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा कि वह मेरे बेटे जैसा है। बेटे की सभी गलतियों को माफ करना पिता का काम होता है। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब टीएमसी गहरे आंतरिक संकट से जूझ रही है; बागी सांसद और विधायक संसद और राज्य विधानसभा, दोनों जगहों पर एक अलग गुट को समर्थन देने का दावा कर रहे हैं। बागियों की कोशिशों को खारिज करते हुए, सेरामपुर से चार

बार के सांसद ने आरोप लगाया कि विपक्ष को सुनियोजित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और उन्होंने BJP पर पार्टी को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खतरे में है।

पश्चिम बंगाल में कभी ऐसी स्थिति नहीं आई जब विपक्ष का सफाया हो गया हो। यह CM (सुवेंदु अधिकारी) प्रतिशोध की भावना रखने वाले हैं। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। बनर्जी ने बागी नेताओं के अभियान को भी खारिज करते हुए कहा, 'उन्हें जो करना है, करने दें। उन्हें बीजेपी की शरण में ही रहना होगा। यह सब एक चाल है।

अवैध आप्रवासन से बदल रही आबादी पर अमित शाह सख्त, समिति को अध्ययन का निर्देश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने आज आबादी में बदलाव पर एक बैठक की अध्यक्षता की और आयोग को सीमावर्ती ज़िलों में आबादी में हो रहे बदलावों का अध्ययन करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान, श्री शाह ने आयोग को हालात का जायजा लेने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करने का भी निर्देश दिया। इससे पहले पिछले महीने, केंद्र सरकार ने अवैध आप्रवासन और अन्य असामान्य कारणों से आबादी में होने वाले बदलावों का अध्ययन करने और उनसे निपटने के उपाय सुझाने के लिए एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया था। अधिकारियों ने बताया कि समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने समिति से कहा कि वह अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से आए बदलावों का आकलन करने के लिए सीमावर्ती इलाकों, मेट्रो शहरों और औद्योगिक कस्बों का दौरा करे। इस कमिटी के प्रमुख सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर हैं। इसके सदस्यों में जनगणना आयुक्त के साथ-साथ रिटायर्ड क्थ्र अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, पूर्व क्ढर अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और डॉ. शमिका रवि शामिल हैं। गृह मंत्रालय के संयुक्त सचिव (विदेशी-क) इस कमिटी के सदस्य सचिव हैं। पिछले महीने कमिटी के गठन की घोषणा करते हुए, शाह ने इस बात पर जोर दिया था कि डेमोग्राफिक बदलाव (जनसांख्यिकीय बदलाव) एक गंभीर मुद्दा है।

डीआरडीओ की बड़ी सफलता: अब आसमान से आने वाले खतरे और समुद्र में छिपे दुश्मन; अब दोनों के लिए तैयार है भारत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल और लगातार उभरते मिसाइल खतरों के बीच भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को नई ऊंचाई पर पहुंचाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली और नई नौसैनिक एंटी-शिप मिसाइल का सफल परीक्षण कर देश की रणनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है। इन सफल परीक्षणों ने न केवल भारत की सुरक्षा तैयारियों को मजबूत किया है, बल्कि स्वदेशी रक्षा तकनीक के क्षेत्र में भी बड़ी उपलब्धि दर्ज कराई है। इन सफल परीक्षणों के बाद भारत उन चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिनके पास बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस क्षमता मौजूद है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यह प्रणाली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल श्रेणी तक के खतरों से निपटने की क्षमता रखती है। इसका मतलब यह है कि लंबी दूरी से दागी जाने वाली मिसाइलों को भी भारतीय सुरक्षा तंत्र हवा में ही रोक सकता है। यह उपलब्धि भारत की प्रतिरोधक क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे को नई मजबूती देती है।

डीआरडीओ की नई उपलब्धि क्यों है खास?

रक्षा मंत्रालय के अनुसार 10 और 11 जून को लगातार तीन उड़ान परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में बहुस्तरीय बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस प्रणाली का सफल प्रदर्शन किया गया। परीक्षण के दौरान इंटरसेप्टर मिसाइलों ने अपने निर्धारित लक्ष्यों को सटीकता के साथ निशाना बनाकर नष्ट किया। यह प्रणाली आधुनिक तकनीकों से विकसित की गई है, जिसका उद्देश्य भविष्य में सामने आने वाले जटिल मिसाइल खतरों का मुकाबला करना है। रक्षा विशेषज्ञ इसे भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहे हैं।

मिसाइल रक्षा प्रणाली के अलावा डीआरडीओ ने पहली बार नेवल एंटी-शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का भी सफल उड़ान परीक्षण किया। यह मिसाइल भारतीय सशस्त्र बलों, विशेषकर नौसेना की समुद्री मारक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आधुनिक युद्ध में समुद्री सुरक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में यह मिसाइल दुश्मन के युद्धपोतों और समुद्री लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाने में मदद करेगी। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति और मजबूत होगी। इन परीक्षणों को डीआरडीओ और सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों ने करीब से देखा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने स्वयं परीक्षणों की निगरानी की। उन्होंने वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और उद्योग सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सफल परीक्षणों पर डीआरडीओ और सभी संबंधित टीमों को बधाई दी तथा कहा कि ऐसी उपलब्धियां भारत की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान करती हैं।

संपादक की कलम से

विश्वगुरु की बातों के बीच विदेशों में भारतीयों के खिलाफ हिंसा बढ़ी

ललित शर्मा
संपादक

दुनिया भर में भारतीयों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। विशेष रूप से भारतीय प्रवासियों के खिलाफ हिंसा, नस्लवाद और भेदभाव की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कई देशों में प्रवास-विरोधी (अल्ल3-क्रॅं3ङ्गल्ल) भावनाएं बढ़ रही हैं और स्थानीय लोग भारतीयों को रंगभेद और नस्लवाद का शिकार बना रहे हैं। अमेरिका से लेकर वैश्विक व्यापारिक केंद्र माने जाने वाले सिंगापुर तक भारतीयों को बाहर निकालने जैसी मुहिमें चल रही हैं। भारतीयों को नौकरी से निकालना, उन पर हमले करना, भारतीय ध्वज का अपमान करना और 'भारतीय वापस जाओ' जैसे नारे लगाना अब आम होता जा रहा है। पिछले छह महीनों में कनाडा, अमेरिका, सिंगापुर, ब्रिटेन, यूरोप, आयरलैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफ्रीका, केन्या और युगांडा सहित अनेक देशों में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय घटनाएं बढ़ी हैं। सोशल मीडिया पर भारतीयों को निशाना बनाया जाता है। उन्हें सार्वजनिक स्थानों पर गालियां दी जाती हैं, उनके व्यवसायों के बाहर विरोध प्रदर्शन किए जाते हैं और उन्हें अपने देश लौट जाने की धमकियां दी जाती हैं। भारतीय त्योहारों और संस्कृति का मजाक उड़ाने के लिए फर्जी मीम्स और पोस्ट प्रसारित किए जाते हैं। इन सबके बीच भारत सरकार विदेशों की सकारात्मक छवि प्रस्तुत करती रहती है और अपनी विदेश नीति को सफल बताती है। उल्लेखनीय है कि पिछले छह महीनों में ही भारतीयों के खिलाफ कई देशों में रैलियां निकाली गईं, नारेबाजी हुई, हिंसा की गई और अपमानजनक टिप्पणियां की गईं। कनाडा में भारतीय छात्रों और कामगारों का व्यापक विरोध देखने को मिला। कनाडा में वर्तमान समय में रोजगार और आवास दोनों की कमी है। इसके कारण स्थानीय कट्टरपंथी और दक्षिणपंथी समूह भारतीयों को इन समस्याओं के लिए जिम्मेदार ठहराने लगे हैं। ब्रैम्पटन, टोरंटो और अन्य शहरों में सोशल मीडिया पर भारतीयों और भारतीय छात्रों को लेकर वीडियो और पोस्ट साझा कर उन्हें आक्रामक और समस्या पैदा करने वाला बताया गया। स्थानीय स्टोरों और मॉलों के बाहर भारतीय कर्मचारियों के खिलाफ नारेबाजी भी हुई। इसी प्रकार अमेरिका के टेक्सास और अन्य राज्यों में भी भारतीयों को ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों स्तरों पर निशाना बनाया जा रहा है। ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के शुरूआती दौर से ही भारतीयों को लेकर विवादास्पद चर्चाएं सामने आई हैं। टेक्सास में भारतीयों की संख्या अधिक है और वे आर्थिक रूप से सफल माने जाते हैं। इसी कारण कुछ स्थानीय मंचों पर भारतीयों के खिलाफ टिप्पणियां की गईं और उन पर स्थानीय संस्कृति को प्रभावित करने के आरोप लगाए गए। सोशल मीडिया पर भारतीय त्योहारों और संस्कृति का भी मजाक उड़ाया गया। ब्रिटेन और आयरलैंड में भी भारतीयों तथा अन्य दक्षिण एशियाई समुदायों के खिलाफ असंतोष बढ़ रहा है। ब्रिटेन में भारतीय डाक्टरों, इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों पर नौकरियां छीनने के आरोप लगाए जाते हैं और उनका अपमान किया जाता है। आयरलैंड में विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के खिलाफ नस्लवादी घटनाएं सामने आई हैं और उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की जाती हैं। आस्ट्रेलिया के बड़े शहरों में भी भारतीय विरोधी रैलियां आयोजित की जा रही हैं। बढ़ती महंगाई और रोजगार संबंधी चुनौतियों के बीच भारतीयों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण बढ़ रहा है।

संस्कारविहिन

उदय किशोर साह

कविता

संभल जाओ अय चमन के माली
भौंरा की नीयत है आज रंगीन
संकर नस्ल से पैदा होकर आया
पर है ये दोगले संस्कारविहिन

ना है इनके चेहरे पे डर भय
ना है इनके चरित्र में कोई जमीन
घर का माहौल का है ये है दोषी
असभ्य है करता है ये तौहीन

इनको ना है कहीं इज्जत की परवाह
इनके खून में नहीं है सम्मान की जीन
गंदे नाली की है ये विषाक्त परजीवी
जैसे गंदे पानी में जनमा गंदा मीन

सदैव बना कर रख इनसे सब दूरी
इनसे बचना ओ जग की सब हँसीन
आबरू पे डाका डालने चमन में आया
मक्कारी ,धुर्तई में है ये जालिम प्रवीण

छद्म नाम है छद्म शकल है ये पाया
इनकी नजर में है हँसीन जासमीन
प्रीत की गीत गलियों में ये गाता आता
पर ये है शातिर पापी अपराधी संगीन

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जनसंख्या या संसाधनों का असमान वितरण: असली संकट क्या है?

एन0के0शर्मा
लेखक

जब भी किसी देश, समाज या सभ्यता के सामने बढ़ती हुई गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, जल संकट, शिक्षा की दुर्दशा या स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का प्रश्न उठता है, तब सबसे पहले उंगली जनसंख्या की ओर उठाई जाती है। ऐसा प्रतीत कराया जाता है मानो पृथ्वी पर जन्म लेने वाला प्रत्येक नया मनुष्य किसी संकट का वाहक हो और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ बनकर आया हो। लेकिन यदि इस प्रश्न की सतह को हटाकर उसकी गहराइयों में उतरें, तो एक अत्यंत असुविधाजनक सत्य सामने आता है–दुनिया का सबसे बड़ा संकट केवल जनसंख्या नहीं, बल्कि संसाधनों का भयावह और सुनियोजित असमान वितरण है।

यह एक ऐसा सत्य है जिसे स्वीकार करने से सत्ता प्रतिष्ठान, नीति-निमार्ता, आर्थिक साम्राज्य और प्रशासनिक तंत्र अक्सर बचते रहे हैं। क्योंकि यदि समस्या का मूल जनसंख्या नहीं बल्कि वितरण व्यवस्था सिद्ध हो जाए, तो कठघरे में आम नागरिक नहीं बल्कि शासन की नीतियाँ, प्रशासनिक अक्षमताएँ और आर्थिक संरचनाएँ खड़ी हो जाएँगी।

आज विश्व की कुल खाद्य उत्पादन क्षमता इतनी है कि पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके बावजूद करोड़ों लोग प्रतिदिन भूखे सोते हैं। प्रश्न यह नहीं है कि भोजन कम है; प्रश्न यह है कि भोजन किसके गोदामों में बंद है और किसकी थाली खाली है। संयुक्त राष्ट्र की अनेक रिपोर्टें वर्षों से यह संकेत देती रही हैं कि दुनिया में उत्पादित भोजन का एक बड़ा हिस्सा या तो बर्बाद हो जाता है या कुछ सीमित आर्थिक वर्गों की उपभोग संस्कृति में समा जाता है। दूसरी ओर, अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक क्षेत्रों में बच्चे कुपोषण से मर रहे हैं।

यही स्थिति जल संसाधनों की है। पृथ्वी पर जल की कमी से अधिक समस्या उसके प्रबंधन और वितरण की है। एक ओर कुछ महानगरों में स्विमिंग पूल और कृत्रिम फव्वारों पर लाखों लीटर पानी खर्च होता है, वहीं दूसरी ओर लाखों ग्रामीण महिलाएँ प्रतिदिन कई किलोमीटर चलकर पीने का पानी जुटाने को विवश हैं। यदि किसी देश में जल संकट है तो उसका कारण केवल प्राकृतिक अभाव नहीं, बल्कि नीतिगत विफलता, भ्रष्ट प्रबंधन और संसाधनों पर प्रभावशाली वर्गों का कब्जा भी है।

सबसे विचलित करने वाली बात यह है कि सरकारें और प्रशासन अक्सर जनसंख्या को दोष देकर अपनी जवाबदेही से बच निकलते हैं। यह एक सुविधाजनक तर्क बन चुका है। जब रोजगार उपलब्ध नहीं होते, तब कहा जाता है कि जनसंख्या अधिक है। जब अस्पतालों में बिस्तर नहीं मिलते, तब जनसंख्या को दोष दिया जाता है। जब स्कूलों में शिक्षक नहीं होते, तब भी वही तर्क दोहराया जाता है। लेकिन कोई यह प्रश्न नहीं पूछता कि दशकों तक करों के रूप में जनता से प्राप्त विशाल धनराशि का उपयोग कहाँ हुआ? योजनाओं के नाम पर आवंटित अरबों-खरबों रुपये किन गलियारों में गायब हो गए? विकास परियोजनाओं का वास्तविक लाभ किस वर्ग तक पहुँचा?

वास्तव में, जनसंख्या स्वयं में संकट नहीं होती; संकट तब बनती है जब शासन दूरदर्शिता खो देता है। इतिहास इसका साक्षी है। विश्व के अनेक देशों ने बड़ी जनसंख्या को ही अपनी आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। विशाल जनसंख्या यदि शिक्षित, कुशल और स्वस्थ हो तो वह बोझ नहीं बल्कि राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। दूसरी ओर, यदि शासन शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और अवसरों की व्यवस्था करने में विफल हो जाए, तो वही जनसंख्या सामाजिक तनाव का कारण बन जाती है। इसलिए समस्या संख्या की नहीं, व्यवस्था की है।

भारत सहित अनेक विकासशील देशों में स्थिति और भी जटिल है। यहाँ संसाधनों की कमी से अधिक उनका असमान केंद्रीकरण दिखाई देता है। कुछ प्रतिशत लोगों के हाथों में राष्ट्रीय संपत्ति का बड़ा हिस्सा सिमटता जा रहा है, जबकि विशाल आबादी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष कर रही है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि अवसरों की भी है। किसी बच्चे का भविष्य अक्सर उसकी प्रतिभा से नहीं, बल्कि उसके जन्मस्थान, पारिवारिक आय और सामाजिक स्थिति से निर्धारित होने लगता है। यह किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। पत्रकारिता के दृष्टिकोण से देखें तो यह प्रश्न केवल अर्थशास्त्र का नहीं, बल्कि नैतिकता और न्याय का भी है। क्या यह उचित है कि कुछ शहरों में गगनचुंबी इमारतों की चमक रात को दिन में बदल दे, जबकि उसी देश के गाँव अंधेरे में डूबे रहें? क्या यह विकास कहलाएगा कि कुछ लोगों के पास निजी विमानों का बेड़ा हो और करोड़ों लोग प्राथमिक चिकित्सा के लिए भी संघर्ष करें? क्या यह प्रगति है कि खाद्यान्न गोदामों में सड़ जाए और गरीब भूख से मर जाए? सत्ता के गलियारों में बैठी व्यवस्थाएँ अक्सर आँकड़ों का जाल बुनती हैं। वे विकास दर, निवेश, राजस्व और परियोजनाओं की सफलता के आंकड़े प्रस्तुत करती हैं। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक स्थिति उन आँकड़ों से नहीं, बल्कि उसके सबसे कमजोर नागरिक की स्थिति से मापी जानी चाहिए। यदि किसी देश में संसाधन मौजूद हैं लेकिन उनका लाभ केवल सीमित वर्ग को मिल रहा है, तो वहाँ समस्या जनसंख्या नहीं बल्कि वितरण व्यवस्था की नैतिक विफलता है। विडम्बना यह है कि आधुनिक विश्व में तकनीक और उत्पादन क्षमता अभूतपूर्व स्तर पर पहुँच चुकी है। मनुष्य मंगल ग्रह तक पहुँचने की तैयारी कर रहा है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता नए आयाम गढ़ रही है, और वैश्विक अर्थव्यवस्था खरबों डॉलर के आंकड़ों को पार कर चुकी है। फिर भी भूख, बेघरपन, बेरोजगारी और सामाजिक विषमता क्यों बनी हुई है? इसका उत्तर संसाधनों की कमी में नहीं, बल्कि संसाधनों के नियंत्रण और वितरण की राजनीति में छिपा है। सरकारी तंत्र पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या उसकी प्राथमिकताएँ वास्तव में जनता-केंद्रित हैं? यदि विकास योजनाएँ जनता के जीवन में परिवर्तन नहीं ला रहीं, यदि करों से जुटाई गई पूँजी का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुँच रहा, यदि संसाधनों का उपयोग कुछ प्रभावशाली समूहों तक सीमित हो रहा है, तो समस्या जनसंख्या नहीं बल्कि शासन की संरचनात्मक विफलता है। यह वह सच्चाई है जिसे स्वीकार करना किसी भी सरकार के लिए असहज हो सकता है, किन्तु उससे बचना समाधान नहीं है। अंततः, सभ्यता के सामने असली प्रश्न यह नहीं है कि पृथ्वी पर कितने लोग हैं। असली प्रश्न यह है कि उपलब्ध संसाधनों पर किसका अधिकार है, किसे अवसर मिलते हैं और किसे वंचित रखा जाता है। यदि संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित हो, यदि शासन पारदर्शी और उत्तरदायी बने, यदि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, तो बड़ी से बड़ी जनसंख्या भी शक्ति बन सकती है। लेकिन यदि संसाधन कुछ हाथों में सिमटते जाएँ और बहुसंख्यक आबादी उपेक्षा का शिकार होती रहे, तो संकट केवल आर्थिक नहीं रहेगा; वह सामाजिक असंतोष, राजनीतिक अस्थिरता और मानवीय त्रासदी का रूप ले लेगा। शायद इसलिए आज सबसे आवश्यक बहस जनसंख्या पर नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण वितरण पर होनी चाहिए। क्योंकि इतिहास ने बार-बार सिद्ध किया है कि सभ्यताएँ लोगों की संख्या से नहीं, बल्कि संसाधनों के अन्यायपूर्ण बँटवारे से टूटती हैं। जनसंख्या को दोष देना आसान है, लेकिन व्यवस्था की विफलताओं को स्वीकार करना कठिन। और अक्सर वही कठिन सत्य किसी राष्ट्र के भविष्य का सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न बन जाता है।

भारत को गर्म होने से पहले ही ठंडा कर दें

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारत सदियों से गर्म जलवायु वाला देश रहा है। यहां के लोगों ने अपने जीवन, वास्तुकला, कृषि और सामाजिक परंपराओं को मौसम के अनुरूप ढालकर जीवन जीना सीखा है। लेकिन आज स्थिति बदल रही है। गर्मी अब केवल एक मौसमी चुनौती नहीं रह गई है, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और सामाजिक जीवन के लिए एक गंभीर खतरे का रूप लेती जा रही है। लगातार बढ़ते तापमान, लंबी और तीव्र होती हीटवेव, घटते जल स्रोत और तेजी से फैलते शहरीकरण ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। ऐसे में भारत को एक ऐसे भविष्य की योजना बनानी होगी जो अधिक सुरक्षित, टिकाऊ और अपेक्षाकृत ठंडा हो।

बढ़ती गर्मी का नया युग

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने रिकॉर्ड तोड़ तापमान का अनुभव किया है। कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह 50 डिग्री के करीब दर्ज किया गया। पहले जो हीटवेव असाधारण मानी जाती थीं, वे अब अधिक सामान्य होती जा रही हैं। इसका प्रभाव केवल मौसम तक सीमित नहीं है। अत्यधिक गर्मी से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हैं, श्रमिकों की उत्पादकता घटती है, बिजली की मांग बढ़ती है, कृषि प्रभावित होती है और जल संकट गहराता है। सबसे अधिक असर गरीबों, बुजुर्गों, बच्चों और खुले वातावरण में काम करने वाले श्रमिकों पर पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन और भारत

वैज्ञानिकों का मानना है कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन ने गर्मी की तीव्रता और आवृत्ति दोनों को बढ़ाया है। वातावरण में बढ़ती ग्रीनहाउस गैसें पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप चरम मौसम की घटनाएं अधिक सामान्य हो रही हैं। भारत जैसे देश, जहां बड़ी आबादी कृषि और बाहरी श्रम पर निर्भर है, इस बदलाव के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन से निपटना केवल पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि विकास और मानव कल्याण का भी प्रश्न है।

शहरों को ठंडा बनाने की आवश्यकता

भारत की तेजी से बढ़ती शहरी आबादी एक नई समस्या पैदा कर रही है जिसे 'अर्बन हीट आइलैंड' कहा जाता है। कंक्रीट, डामर और ऊंची इमारतें दिनभर गर्मी सोखती हैं और रात में उसे धीरे-धीरे छोड़ती हैं। परिणामस्वरूप शहर अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म हो जाते हैं। इस समस्या से निपटने के लिए शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, पार्कों का संरक्षण, छतों पर बागवानी, जलाशयों का पुनर्जीवन और छायादार वृक्षारोपण आवश्यक है। 'कूल रूफ' तकनीक, जिसमें हल्के रंग की छतें सूर्य की किरणों को परावर्तित करती हैं, भी तापमान कम करने में प्रभावी सिद्ध हो सकती है।

परंपरागत ज्ञान की वापसी

भारत के पारंपरिक घर और बस्तियां स्थानीय जलवायु के अनुरूप बनाई जाती थीं। मोटी दीवारें, आंगन, ऊंची छतें, जालियां, बरामदे और प्राकृतिक वेंटिलेशन गर्मी से बचाव के प्रभावी साधन थे। आधुनिक निर्माण में इन सिद्धांतों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया गया है। यदि पारंपरिक वास्तुकला के ज्ञान को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा जाए, तो ऊर्जा की खपत कम करते हुए अधिक आरामदायक और टिकाऊ भवन बनाए जा सकते हैं।

पानी और गर्मी का संबंध

गर्मी और जल संकट एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। बढ़ते तापमान से वाष्पीकरण बढ़ता है, जल स्रोत तेजी से सूखते हैं और सूखे की संभावना बढ़ जाती है। वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जल संरक्षण और नदियों-तालाबों का पुनर्जीवन भारत की गर्मी से निपटने की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। जल सुरक्षा के बिना गर्मी से मुकाबला संभव नहीं है।

स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता

हीटवेव को अक्सर 'मूक आपदा' कहा जाता है क्योंकि इसके प्रभाव हमेशा तुरंत दिखाई नहीं देते। लेकिन हर वर्ष हजारों लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों का शिकार होते हैं। सरकारों को प्रभावी हीट एक्शन प्लान लागू करने, समय पर चेतावनी जारी करने, सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल और छाया की व्यवस्था करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को तैयार रखने की आवश्यकता है। स्कूलों, कार्यस्थलों और स्थानीय निकायों को भी गर्मी से बचाव के उपायों को अपनाना चाहिए।

विकास और पर्यावरण का संतुलन

\भारत को अपनी विकास यात्रा जारी रखते हुए पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना होगा। अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, हरित परिवहन और टिकाऊ बुनियादी ढांचे में निवेश न केवल जलवायु परिवर्तन को कम करेगा, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक लाभ भी प्रदान करेगा। वास्तविक चुनौती विकास और पर्यावरण के बीच चुनाव करने की नहीं, बल्कि दोनों को साथ लेकर चलने की है।

नागरिकों की भूमिका

गर्मी से मुकाबला केवल सरकारों का काम नहीं है। प्रत्येक नागरिक भी इसमें योगदान दे सकता है। पेड़ लगाना, जल संरक्षण करना, ऊर्जा की बचत करना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाना छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम हैं। जब समाज और सरकार मिलकर काम करते हैं, तभी बड़े परिवर्तन संभव होते हैं।

भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां बढ़ती गर्मी को नजरअंदाज करना भविष्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। हीटवेव, जल संकट और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब दूर की चेतावनियां नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकताएं हैं। भारत के लिए एक ठंडा भविष्य केवल तापमान कम करने का लक्ष्य नहीं है; यह स्वास्थ्य, जल सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास सुनिश्चित करने का संकल्प है। यदि हम आज सही कदम उठाते हैं, तो आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा भारत मिल सकता है जो विकासशील होने के साथ-साथ रहने योग्य, सुरक्षित और जलवायु-सक्षम भी हो। संकट बनने से पहले गर्मी का सामना करना ही भविष्य के भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नम्रता, सादगी और सुविचार: सुखी एवं संतुलित जीवन का शाश्वत आधार

किशन भावनानी
लेखक

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना धारे मानवीय योनिं नें सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं को भी आर्टिफिशियल बना दिया है,इतना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मृत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फूककर जन्म देना रह गया है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चोबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है। साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही,जिसके पीड़ित मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है। साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विक्कार जैसे द्वेष,अभिमान अहम, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है।

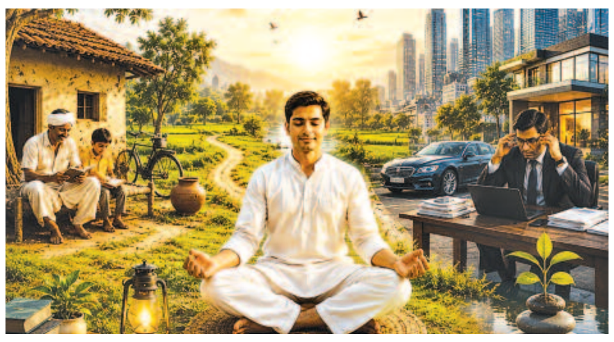

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है। आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है।जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है। साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े -बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति जरूरी है और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है। साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है। जैसे ही उसके भीतर यह चेतना आती है कि जीवन में क्या और क्यों महत्वपूर्ण है, वह इच्छाओं का सही प्रबंधन करने लगता है। इससे दुविधाएं कम होती हैं और दृष्टिकोण में स्पष्टता आती है। समय-समय पर अपनी जरूरतों और इच्छाओं का आकलन करना जरूरी है। कई बार ऐसा भी होता है कि जिस चीज से आज सुविधा महसूस होती है, वही भविष्य में असुविधा का कारण बन जाती है। हो सकता है, बड़ा घर लेना आज किसी की ख्वाहिश हो मगर उम्र बढने के साथ यही घर असुविधाजनक हो सकता है क्योंकि वह इसका रखरखाव अच्छी तरह करने में असमर्थ होता है। साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो, यह कहावत हमें सिखाती है कि हम अपने जीवन को और भी मूल्यवान बना सकते हैं सिर्फ व्यर्थ के धन और सामान आदि चीजों को नजरंदाज करके। ये हमें सच्ची खुशी और आतंरिक संतुष्टि प्रदान करता है। ये यह भी बताता है कि सच्ची खुशी हमारे विचारों में ही होती है ना कि किसी और चीजों में। ये हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी जड़ों को पहचाने और किसी भी तरह के समृद्धि पाने वाले कार्य को नजर अंदाज करें। जीवन का सही मूल्य हमारे भौतिकवादी अधिग्रहण में नहीं है, बल्कि यह वह है जिसमें हम सोचते हैं, करते हैं, और प्रतिदिन हम कितने जीवन को छूते हैं। सादा जीवन उच्च विचार' यह कहावत हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करती है कि हम अपने जीवन को समृद्ध के बजाय अधिक सार्थक बनायें। यहाँ जीने के साधारण तरीके से मतलब है जीवन जीने का एक सरल और गैर-महंगा मानक। हमें केवल सिर्फ उन चीजों के लिए ही चिंता करनी चाहिए जो हमारे जीवन के लिए बेहद आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सादा जीवन उच्च विचार भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है।सादा जीवन उच्च विचार सहज सरल जीवन की कुंजी है।सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता,चेतना आती है।दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं।

पुलिस अभिरक्षा से फरार शातिर चोर गिरफ्तार, बीसलपुर पुलिस ने दबोचकर भेजा जेल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत बीसलपुर। पुलिस अभिरक्षा से फरार चल रहे एक शातिर चोरी के आरोपी को बीसलपुर पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया। कई दिनों से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा आरोपी शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी बीसलपुर के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी बीसलपुर के नेतृत्व में पुलिस टीम को यह सफलता मिली।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुल्तान पुत्र इरफान निवासी मोहल्ला ग्यासपुर, थाना बीसलपुर के रूप में हुई है। आरोपी बीते 9 जून को पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। शनिवार सुबह मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खण्ड गोपाल कोठी के पास घेराबंदी की। जैसे ही आरोपी वहां पहुंचा, पुलिस ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के भागने की कोशिश को भी पुलिस ने नाकाम कर दिया। बाद में उसे थाने लाकर पूछताछ की गई और आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

पुलिस रिकॉर्ड खंगालने पर आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ चोरी, मारपीट, बलवा, आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम तथा अन्य आपराधिक धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2021 से लेकर अब तक उसके खिलाफ थाना बीसलपुर में अनेक संगीन मामले पंजीकृत हो चुके हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों में सक्रिय रहा है और उसके विरुद्ध पहले भी कई बार कार्रवाई की जा चुकी है।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विनीत कुमार, उपनिरीक्षक अतुल चौधरी, हेड कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल मनीष कुमार तथा कांस्टेबल रवि कुमार शामिल रहे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जल जीवन मिशन को झटका: ग्राम गोरा के मुख्य चौराहे का हैंडपंप कई दिनों से खराब, ग्रामीणों में आक्रोश

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत/पूरनपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन तहसील पूरनपुर की ग्राम पंचायत गोरा में जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। गांव के मुख्य चौराहे पर लगा सार्वजनिक हैंडपंप पिछले कई दिनों से खराब पड़ा हुआ है, जिससे ग्रामीणों, राहगीरों और आसपास के मोहल्लों के लोगों को पेयजल के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि भीषण गर्मी के इस दौर में यह हैंडपंप लोगों के लिए पानी का प्रमुख स्रोत था। प्रतिदिन सैकड़ों राहगीर, मजदूर, स्कूली बच्चे और स्थानीय निवासी इसी हैंडपंप से अपनी प्यास बुझाते थे, लेकिन लंबे समय से खराब होने के बावजूद इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे लोगों में भारी नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि जब सरकार पेयजल सुविधाओं को लेकर गंभीर है तो स्थानीय स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही योजनाओं को पलीता लगाने का काम कर रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि खराब पड़े हैंडपंप को तत्काल ठीक कराया जाए ताकि लोगों को पेयजल संकट से राहत मिल सके।

थाना समाधान दिवस में अपर पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनसमस्याएं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। थाना समाधान दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सिम्भावली में जनता की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके समयबद्ध, निष्पक्ष एवं वास्तविक निस्तारण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनता की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए तथा किसी भी समस्या को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखें ताकि आमजन को शीघ्र न्याय मिल सके। थाना समाधान दिवस में क्षेत्र के नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं प्रस्तुत कीं, जिनके समाधान के लिए मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

सत्ताईस साल से बदहाल सड़क के सुदृढ़ीकरण के लिए ग्रामीणों ने सांसद जितिन प्रसाद से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत/कलीनगरसहारनपुर। जनपद की तहसील कलीनगर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बूंदी भूड़ के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। क्षेत्र की मुख्य सड़क पिछले 27 वर्षों से पूरी तरह बदहाल और जर्जर स्थिति में है, जिससे गुस्साए और परेशान ग्रामीणों ने पीलीभीत लोकसभा क्षेत्र के सांसद जितिन प्रसाद को एक प्रार्थना-पत्र देकर सड़क के जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराने की गुहार लगाई है। सांसद को दिए पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बूंदी भूड़ पोस्ट नवजुलिया में 'स्वर्गीय लाला राम के घर से लेकर स्वामीनाथ के क्रेशर तक' बंदर भोज एवं बूंदी भूड़ को जोड़ने वाला करीब 1 किलोमीटर लंबा यह मुख्य मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। वर्ष 1999 में गन्ना विभाग द्वारा इस मार्ग का डामरीकरण (पक्का निर्माण) कराया गया था।

लेकिन विडंबना देखिए कि उसके बाद से आज तक (लगभग 27 वर्षों में) इस सड़क की न तो मरम्मत कराई गई और न ही इसका पुनर्निर्माण हुआ। पत्र के माध्यम से यह भी सामने आया है कि गन्ना विभाग के पास बजट उपलब्ध न होने की बात कहकर इस सड़क को इसके हाल पर छोड़ दिया गया।

वर्तमान में सड़क की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि आए दिन राहगीर और वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। सड़क खराब होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों, किसानों और रोज कमाने-खाने वाले राहगीरों को उठानी पड़ रही है।

आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं के कारण क्षेत्र का आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहता है। ग्राम पंचायत बूंदी भूड़ की प्रशासक शीला सिंह और समस्त ग्रामीणों की ओर से हस्ताक्षरित इस मांग पत्र में सांसद जितिन प्रसाद से विनम्र अनुरोध किया गया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग का किसी भी सक्षम विभाग (जैसे PWD या अन्य) के माध्यम से शीघ्र पुनर्निर्माण या डामरीकरण कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह सड़क बन जाती है तो क्षेत्र की एक बहुत बड़ी समस्या का समाधान हो जाएगा।

समाजवादी पार्टी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव पद से डॉ. नरेश सागर ने दिया इस्तीफा

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। ग्राम मुरादपुर स्थित सागर कॉलोनी निवासी एवं जनकवि डॉ. नरेश कुमार 'सागर' ने समाजवादी पार्टी के अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष Akhilesh Yadav को भेजते हुए पद छोड़ने की घोषणा की।

अपने त्यागपत्र में डॉ. नरेश सागर ने लिखा कि वह साहित्य, स्वास्थ्य और अन्य सामाजिक जिम्मेदारियों का समुचित रूप से निर्वहन नहीं कर पा रहे थे।

इसके अलावा उन्होंने आरोप लगाया कि प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष Rahul Bharti तथा स्थानीय समाजवादी टीम ने उनके सुख-दुःख में कभी कोई सहभागिता नहीं निभाई।

डॉ. सागर ने अपने पत्र में कहा कि अब वह आगे की यात्रा अराजनैतिक तरीके से करना चाहते हैं तथा साहित्यिक और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष से अनुरोध किया है कि उनका इस्तीफा स्वीकार किया जाए। डॉ. नरेश सागर के इस निर्णय को क्षेत्र की राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

हापुड़ जिले के प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक ने की जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

हरेंद्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद की कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद हापुड़ के प्रभारी मंत्री के0पी0 मलिक जी की अध्यक्षता में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। माननीय प्रभारी मंत्री जी द्वारा जनपद में हो रहे विकास कार्यों को लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की जो भी कार्य जनपद में किये जा रहे हैं उस कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने जल निगम के अधिकारी को निर्देशित किया कि जनपद में जो भी पेयजल योजनाएं संचालित है उन कार्य प्रणाली में तेजी लाएं। जनपद में जो भी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है उसको जल्द से जल्द ठीक करा कर निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया कि जनपद में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हुए निरंतर कूड़ा कलेक्शन किया जाना सुनिश्चित करें। नालों की साफ सफाई निरंतर कराते रहे जिससे वर्षा ऋतु के कारण जल भराव की समस्या उत्पन्न न हो। माननीय मंत्री जी के द्वारा बैठक में उपस्थित सभी जनपद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सरकार के द्वारा संचालित योजनाओं में पात्र व्यक्ति को लाभ से वंचित ना रखा जाए। सरकार के सफलतापूर्वक 12 वर्ष पूर्ण होने एवं प्रदेश को नई गतिमान तक पहुंचने में हम सब मिलकर कार्य करेंगे तभी हमारा प्रदेश एक उत्तम प्रदेश के रूप में निरंतर बना रहेगा।

सक्रिय पुलिसिंग से अपराधियों में खौफ, थाना प्रभारी संजय सिंह की कार्यशैली की हो रही सराहना

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। तहसील पूरनपुर थाना शेरामऊ उत्तरी के थाना प्रभारी संजय सिंह अपनी टीम के साथ क्षेत्र में लगातार भ्रमण, गश्त एवं निगरानी अभियान चलाकर कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने में जुटे हुए हैं। दिन-रात क्षेत्र में सक्रिय रहकर वह अपराध एवं अपराधियों पर पैनी नजर बनाए हुए हैं, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

थाना प्रभारी संजय सिंह द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। अपराध करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा जा रहा है। पुलिस की इस सक्रियता का सकारात्मक संदेश क्षेत्र के गांव-गांव और प्रत्येक नागरिक तक पहुंच रहा है।

क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि थाना प्रभारी संजय सिंह की कार्यशैली से आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ा है, वहीं अपराधियों में भय का माहौल बना हुआ है। नियमित गश्त, चौकसी और जनता से संवाद के चलते क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था मजबूत हुई है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि जिस प्रकार संजय सिंह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, उसी प्रकार के सक्रिय और जनहितैषी थाना प्रभारियों की आवश्यकता अन्य थानों में भी है। लोगों का मानना है कि पुलिस की ऐसी कार्यशैली से अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है और आम जनता को सुरक्षा का बेहतर एहसास होता है।

जोगराजपुर में आवारा पशुओं की सुरक्षा पर उठे सवाल, खेतों के चारों ओर लगे ब्लेड से घायल हो रहे जानवर

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत/पूरनपुर। तहसील पूरनपुर की ग्राम पंचायत जोगराजपुर में आवारा पशुओं की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। किसानों द्वारा अपनी फसलों को बचाने के लिए खेतों के चारों ओर ब्लेड और धारदार तार लगाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार इन धारदार ब्लेडों की चपेट में आकर कई आवारा पशु घायल हो चुके हैं, जिनके शरीर पर गहरे घाव देखे जा सकते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में बड़ी संख्या में आवारा पशु खुलेआम घूम रहे हैं। फसलों को नुकसान से बचाने के लिए कुछ किसानों ने खेतों की सुरक्षा के लिए ब्लेड और नुकीले तारों का सहारा लिया है। लेकिन इसका खामियाजा बेजुबान पशुओं को भुगतना पड़ रहा है। खेतों में घुसने का प्रयास करते समय पशु गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं, जिससे पशु संरक्षण और सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि घायल पशु कई दिनों तक दर्द से तड़पते रहते हैं, लेकिन उनके उपचार और देखभाल की कोई समुचित व्यवस्था दिखाई नहीं देती। ग्रामीणों ने प्रशासन और पशुपालन विभाग से मांग की है कि घायल पशुओं का तत्काल उपचार कराया जाए तथा आवारा पशुओं को सुरक्षित गोशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि खेतों के चारों ओर लगाए गए ब्लेड से पशु घायल हो रहे हैं, तो उनकी सुरक्षा और इलाज की जिम्मेदारी कौन लेगा? एक ओर सरकार पशु संरक्षण और गौवंश सुरक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर घायल पशुओं की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने तथा ऐसी व्यवस्था बनाने की मांग की है, जिससे किसानों की फसल भी सुरक्षित रहे और बेजुबान पशुओं को भी चोट न पहुंचे। जोगराजपुर में सामने आया यह मामला पशु सुरक्षा और आवारा पशुओं की समस्या पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता को दर्शाता है।

नौ माह से पाँच वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई गयी

जनपद में विटामिन ए का कार्यक्रम 12 जुलाई तक चलाया जाएगा:सीएमओ

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। विटामिन ए सम्पूर्ण अभियान कार्यक्रम के अन्तर्गत नगर क्षेत्र में आयुष्मान प्रा0स्वा0केन्द्र पुराना चिकित्सालय पीलीभीत में डा0 बी0सी0पन्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पीलीभीत के द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया, साथ ही 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई गयी।

डा0 ज्ञान प्रकाश, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, डब्लू0एच0ओ0 के प्रतिनिधि , जे0एस0आई0 एवं एडरा गावी के जिला समन्वयक व एन0यू0एच0एम0 का स्टाफ व यू0आई0पी0 टीम एवं डा0 जनमेजय सिंह, चिकित्सा अधिकारी, पुराना चिकित्सालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी पीलीभीत द्वारा अवगत कराया कि जनपद मे विटामिन ए का कार्यक्रम 10 जून 2026 से 12 जुलाई 2026 तक चलाया जाएगा। जनपद पीलीभीत का लक्ष्य 269422 शासन के द्वारा निर्धारित किया गया है। उक्त अभियान नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के साथ चलाया जाएगा। दिनाकं 28 जून 2026 से पल्स पोलियो अभियान जनपद पीलीभीत में चलाया जाएगा।

नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सक्सेना से भेंट की शिष्टाचार भेंट

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ जनपद बिजनोर, का एक प्रतिनिधि मंडल, संगठन के (माध्यमिक संवर्ग) के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में जनपदीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व साथियों के साथ नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार सक्सेना से भेंट की और उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर मण्डलीय अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह यादव, जिला महामंत्री डॉ होरी सिंह, डॉ० मोहित शर्मा, धर्मवीर सिंह, दीपक चौहान, दिग्विजय सिंह (जिलाध्यक्ष प्राथमिक संवर्ग), जिला मंत्री अमर सिंह, मण्डलीय मंत्री रितेश भटनागर, विजयपाल सिंह, जयदीप मलिक, विष्णु कुमार, दीपक कुमार, वीरेंद्र कुमार, अरुण उपाध्याय, अरेंद्र, राजीव गोस्वामी, राजीव कश्यप, गजेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे। औपचारिक वार्ता के उपरांत आमेलित विषय विशेषज्ञों के पुरानी पेंशन संबंधी प्रकरण पर भी चर्चा हुई तथा जिला विद्यालय निरीक्षक से कार्यालय को प्राप्त समस्त प्रकरणों को शीघ्र अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक के कार्यालय को प्रेषित करने हेतु निवेदन किया गया। सभी से परिचय उपरांत, प्रसन्नचित भाव से शैक्षिक उन्नयन हेतु चर्चा करते हुए नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय ने ध्यानपूर्वक एवं सहानुभूति पूर्वक सभी बिंदुओं को सुना तथा शीघ्र ही प्राप्त समस्त प्रकरणों को निस्तारित व प्रेषित करने का आश्वासन दिया। स्वागत कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी साथियों सहित दिग्विजय सिंह व मोहित शर्मा का विशेष योगदान रहा।

छाता तहसील में बड़ा खेल? बुलडोजर के बाद जमीन पर खड़ी हुई बाउंड्रीवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। छाता तहसील के गांव बिलौटी से सामने आया एक मामला इन दिनों क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। आरोप इतने गंभीर हैं कि अब तहसील प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पीड़ित परिवार का दावा है कि जिस जमीन को कुछ समय पहले प्रशासन ने एनएचएआई की भूमि बताते हुए बुलडोजर चलाकर खाली कराया था, आज उसी जमीन पर एक प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा बाउंड्रीवाल खड़ी कर दी गई है।

पीड़ित का आरोप है कि जब प्रशासन कार्रवाई करने पहुंचा था, तब कहा गया था कि संबंधित भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई की है और उस पर अवैध कब्जा किया गया है। इसी आधार पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। परिवार का कहना है कि उन्हें अपनी बात रखने का पूरा अवसर नहीं दिया गया और देखते ही देखते बुलडोजर चल गया।

लेकिन असली सवाल कार्रवाई के बाद खड़े हुए। स्थानीय लोगों के अनुसार जिस जमीन को सरकारी बताकर खाली कराया गया था, उसी भूमि पर कुछ समय बाद निजी निर्माण गतिविधियां शुरू हो गईं। अब वहां बाउंड्रीवाल खड़ी दिखाई दे रही है। यही वह बिंदु है जहां से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

पीड़ित परिवार का कहना है कि यदि जमीन वास्तव में एनएचएआई की थी, तो उस पर किसी निजी व्यक्ति द्वारा निर्माण कैसे किया जा सकता है? क्या एनएचएआई ने किसी को अधिकृत किया है? क्या किसी विभाग ने निर्माण की अनुमति दी है? यदि नहीं, तो फिर यह निर्माण किस आधार पर कराया जा रहा है? ग्रामीणों का कहना है कि

पहले प्रशासन ने जमीन को सरकारी बताकर खाली कराया और अब उसी जमीन पर निजी बाउंड्रीवाल खड़ी हो जाने से लोगों के मन में कई तरह के सवाल पैदा हो रहे हैं। गांव में चर्चा का विषय यही है कि आखिर इस पूरी कार्रवाई का वास्तविक उद्देश्य क्या था।

मामले में जब निर्माण करा रहे व्यक्ति से सवाल पूछा गया तो उसने स्वयं कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। बताया जा रहा है कि उसने सिर्फ इतना कहा कि इस संबंध में तहसीलदार से बात कर ली जाए। इसके बाद लोगों के बीच और अधिक चर्चाएं शुरू हो गईं।

क्योंकि जिस व्यक्ति पर जमीन पर कब्जा करने या निर्माण कराने के आरोप लग रहे हैं, वह स्वयं जवाब देने के बजाय सीधे तहसीलदार का नाम ले रहा है।

वहीं जब इस पूरे मामले में तहसील प्रशासन का पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो तहसीलदार से संपर्क नहीं हो सका। ऐसे में आरोपों और सवालों का जवाब अभी तक सामने नहीं आ पाया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन ने पूरी कार्रवाई नियमों के तहत की है तो जमीन से जुड़े अभिलेख, सीमांकन रिपोर्ट और कार्रवाई का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इससे स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और लोगों के मन में उठ रहे सवालों का जवाब भी मिल सकेगा।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है और वे लगातार अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि यदि जमीन सरकारी थी तो उस पर निजी निर्माण नहीं होना चाहिए, और यदि निर्माण वैध है तो प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किस आधार पर यह अनुमति दी गई।

फिलहाल यह मामला केवल जमीन के एक टुकड़े तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि प्रशासनिक कार्रवाई की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना होगा कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले की जांच कराता है या नहीं, और यदि जांच होती है तो आखिर सच क्या निकलकर सामने आता है। क्योंकि सबसे बड़ा सवाल आज भी वही है– जिस जमीन को एनएचएआई की बताकर बुलडोजर चलाया गया था, उस जमीन पर आज निजी बाउंड्रीवाल कैसे खड़ी हो गई? और यदि सब कुछ नियमों के अनुसार हुआ है तो फिर इन सवालों का जवाब देने से आखिर परहेज क्यों किया जा रहा है?

बंजर भूमि पर तालाब निर्माण का विरोध, ग्रामीणों ने थाना दिवस में सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। शनिवार को थाना परिसर में आयोजित थाना दिवस में ग्राम पलसों के सैकड़ों ग्रामीणों ने बंजर भूमि पर कराए जा रहे तालाब एवं बाउंड्रीवाल निर्माण का विरोध करते हुए एसडीएम एवं सीओ को ज्ञापन सौंपा। पूर्व प्रधान अर्जुन लाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव की खसरा संख्या 580 राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि के रूप में दर्ज है, लेकिन कुछ लोगों द्वारा अपने निजी लाभ के लिए वहां तालाब और बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब निर्माण के लिए गांव में अन्य भूमि पहले से स्वीकृत एवं दर्ज है। ज्ञापन में निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने, भूमि की पैमाइश कराने तथा मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। थाना दिवस में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें पलसों का यह मामला प्रमुख रहा।

मथुरा में पुलिस पर घर में घुसकर नकदी व सामान ले जाने और फर्जी मामले में फंसाने के गंभीर आरोप, जांच की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद मथुरा के हाईवे थाना क्षेत्र के सतोहा असगरपुर गांव में एक व्यक्ति ने पुलिस अधिकारियों और कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपा है। प्रार्थना पत्र में घर में जबरन घुसकर नकदी, मोबाइल फोन, वाहन और सीसीटीवी डीवीआर जब्त करने तथा एक व्यक्ति को फर्जी मामले में फंसाने का आरोप लगाया गया है। प्रार्थी रमेश चन्द पुत्र ठाकुरदास ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि दिनांक 3 जून 2026 को लगभग दोपहर 3:55 बजे थाना जैत से संबंधित उपनिरीक्षक हरेन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक अंकित चौधरी, तथा तीन कॉन्स्टेबलों सहित कुछ अज्ञात व्यक्ति सिविल ड्रेस में उनके घर में घुस आए। आरोप के अनुसार पुलिसकर्मियों ने घर में रखी 6,26,000 रुपये की नकदी, एक सैमसंग अल्ट्रा मोबाइल फोन (कीमत लगभग 1,70,000 रुपये), एक

रीयलमी मोबाइल (कीमत लगभग 35,000 रुपये), स्कॉर्पियो वाहन (UP85 CU 5051) और सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर जबरदस्ती अपने साथ ले ली। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुलिस द्वारा जावेद नाम के एक व्यक्ति को स्कॉर्पियो में बैठाकर उसके पास से 358 ग्राम अल्प्राजोलम और 1,95,000 रुपये दिखाकर एक मामले (अपराध संख्या 409/2026) में जेल भेज दिया गया। साथ ही उसके भाई पिन्कू और साथी नरेश शर्मा को भी इसी मामले में वांछित बताया गया है। रमेश चन्द का कहना है कि जावेद नामक व्यक्ति से उनका या उनके परिवार का कोई संबंध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने घर में तोड़फोड़ और अफरा-तफरी की तथा पूरे घटनाक्रम की सीसीटीवी फुटेज उनके पास मौजूद है। प्रार्थी ने यह भी दावा किया है कि पुलिस द्वारा उन्हें धमकी दी जा रही है कि यदि वीडियो उपलब्ध कराया गया तो उसे फर्जी मुठभेड़ में खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने आशंका जताई है कि उनके भाई और उसके साथी के साथ किसी प्रकार की गंभीर घटना हो सकती है।

मीडिया मंच के पदधिकरियो ने पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ धर्म सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मीडिया मंच पत्रकार संगठन के पदधिकरियो ने शनिवार को अध्यक्ष आलोक अग्रवाल के नेतृत्व में पूर्व केबिनेट मंत्री व विधायक धर्म सिंह सैनी से उनके निवास स्थान पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया, इस दौरान अध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने उनके साथ वर्तमान घटनाक्रम पर बातचीत की, वहीं मंत्री डॉ धर्म सिंह सैनी ने कहा कि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ हैं और समाज का आईना होता हैं निष्पक्ष पत्रकारिता करना पत्रकार का धर्म होता हैं वहीं आज के दौर में पत्रकारिता करना बड़ी चुनौती बन गया हैं जिसमें बड़े जोखिम उठाकर पत्रकार सच्ची पत्रकारिता कर रहा हैं मंत्री ने कहा कि उनका सदैव पत्रकार बंधुओं से पारिवारिक सम्बन्ध रहा हैं मीडिया मंच के सभी पत्रकारों का आभार व्यक्त किया, इस दौरान संगठन के महासचिव मोनू कुमार, संगठन मंत्री अब्लीस गौतम, उपाध्यक्ष कमल गर्ग, सचिव मुराद अली, पत्रकार विनय जैन, पत्रकार कुनाल चौधरी, पत्रकार मुकेश मनवाल, पत्रकार सचिन तनेजा, बेनी प्रसाद आदि मौजूद रहे।

भारतीय मंसूरी समाज की सिफारिश पर दिल्ली सरकार ने रियाजुद्दीन मंसूरी को सम्मानित किया

नितिन शर्मा

नूरपुर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली में मालवीय नगर के फौजी रानी स्थित स्टे होटल में हुए भीषण अग्निकांड के दौरान रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे अरमान मंसूरी की सूझबूझ ने कई लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। जिस होटल में बीते दिनों आग लगी थी। उसी होटल के सामने रियाजुद्दीन मंसूरी की रजाई लिहाफ गद्दे की दुकान है।

उन्होंने अपनी दुकान के सारे लिहाफ गद्दे सड़क पर बिछाकर अस्थाई सुरक्षा कवच तैयार किया। ताकि ऊपरी मंजिल पर फंसे लोग कूदकर अपनी जान बचा सके। अरमान मंसूरी ने बताया कि करीब 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में उन्होंने मदद की इस बचाव अभियान में रियाजुद्दीन मंसूरी व अरमान मंसूरी के चोट भी आई। भारतीय मंसूरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष यूसुफ मंसूरी राष्ट्रीय सचिव अफजाल मंसूरी ,प्रदेश

महासचिव नफीस अहमद मंसूरी, निगम पार्षद शास्त्री पार्क हाजी समीर मंसूरी आदि ने मालवीय नगर पहुंचकर रियाजुद्दीन मंसूरी और उनके बेटे अरमान मंसूरी को सम्मानित भी किया। तथा भारत सरकार व दिल्ली सरकार से मांग की थी कि इनकी समाज सेवा को देखते हुए सरकार द्वारा इनको सम्मानित भी किया जाना चाहिए।

दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रियाजुद्दीन मंसूरी व अरमान मंसूरी को अपने कार्यालय में सम्मानित किया। भारतीय मंसूरी समाज दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त करती है। रियाजुद्दीन मंसूरी खुद सिविल डिफेंस में रह चुके हैं। उनको पता है कि जब आग लगती है तो उसे कैसे बचाया जा सकता है। रियाजुद्दीन मंसूरी ने पूरे मंसूरी समाज और देश के लिए इंसानियत की मिशाल पेश की है। भारतीय मंसूरी समाज उनकी बहादुरी को सलाम करता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर किया 80 ने रक्तदान

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जय हिंद सामाजिक संस्था के 15वें स्थापना दिवस एवं विश्व रक्तदाता दिवस पर 152वें विशाल रक्तदान शिविर में 80 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया।

द बून किड्स एकेडमी में आयोजित शिविर का शुभारंभ माँ प्रधानाचार्य अनिल मित्तल, डॉ अमित गर्ग, अध्यक्ष दिनेश सैनी एवं संस्था सचिव आदित्य शर्मा ने किया। उद्घाटन धर्मवीर खटाना और नीरज चौधरी ने किया। रक्तदाताओं में पीयूष नामदेव, अर्चित ऐरन, आकाश, आशीष फौजदार, मणिक गोयल, सिकंदर, वैभव गर्ग आदि रहे। रक्तसंग्रह जिला चिकित्सालय की टीम द्वारा किया गया। उमंग शर्मा, नितिन सिंघल, रजत गोयल, हिमांशु मित्तल, दानिश फारूकी, आशीष पांचाल, निशांत मोंगस एवं प्रतीक वर्मा का सहयोग रहा। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

औषधि विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार को लेकर औषधि नियंत्रक लखनऊ उत्तर प्रदेश से मिला फार्मासिस्ट एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिभूषण सिंह के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार के नेतृत्व में विभिन्न जिलों फार्मासिस्ट साथियों को हो रही नवीन एवं नवीनीकरण औषधि लाइसेंस संबंधित समस्याओं को लेकर शशि मोहन गुप्ता औषधि नियंत्रक उत्तर प्रदेश से मुलाकात कर समस्त समस्याओं को अवगत कराया गया, औषधि नियंत्रक से चर्चा करते हुए कहा गया जब 15 कार्य दिवस नवीन मेडीकल स्टोर लाइसेंस और एक सप्ताह नवीनीकरण लाइसेंस को जारी करना होता है फिर दो दो महीने समय तक फाइलों कैसे लग रहा है इसी क्रम में औषधि निरीक्षक का कार्य

है जहाँ मेडीकल स्टोर लाइसेंस के लिए आवेदन किया जा रहा उस जगह का स्वयं जाकर निरीक्षण करें मगर अधिकतर जिलों औषधि निरीक्षक के निजी वाहन चालक, और कहीं कहीं ओफिस के बाबू जाते हैं और फार्मासिस्ट से मेडीकल स्टोर लाइसेंस पास कराने के नाम पर धन उगाई करने का कार्य किया जाता है जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए इस पर औषधि नियंत्रक ने कहा अगर ऐसा कहीं हो रहा है उस पर तत्काल कार्रवाई की जायेगी साथ ही तत्काल महोदय द्वारा सक्षम अधिकारी को कॉल कर निराकरण करने का आदेश दिया गया। इस अवसर पर जयकिशन चौधरी, दुर्गेश गुप्ता, सुनील कुमार सिंह, हरिओम सिंह, अजय मौर्या, मनोज कुमार, अब्दुला, आदि फार्मासिस्ट साथी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर की प्रेस वार्ता

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। माननीय मंत्री इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा जनपद के प्रभारी मंत्री सुनील कुमार शर्मा द्वारा सर्किट हाउस सभागार में सुशासन को समर्पित माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा 140 करोड़ भारतीयों की निरंतर सेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रेस वार्ता की गयी।

इस दौरान महापौर डॉ0 अजय कुमार सिंह, विधायक नगर राजीव गुम्बर, विधायक रामपुर मनिहारान देवेन्द्र निम, विधायक नकुड श्री मुकेश चौधरी, विधायक गंगोह किरत सिंह, जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान, मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, एसपी सिटी व्योम बिंदल, जिलाध्यक्ष भाजपा अजीत राणा, महानगर अध्यक्ष शीतल विश्नोई, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, पूर्व विधायक नरेश सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पार्टी पदाधिकारी तथा मीडिया बंधु उपस्थित रहे।

ससुराल से लौट रहा था परिवार, तेज रफ्तार कार बनी काल, मासूम समेत चार लोगों की दर्दनाक मौत

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर में कोठड़ी-धौलाकुआं मार्ग पर कार और बाइक की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। सभी लोग ससुराल से वापस अपने गांव लौट रहे थे।

सहारनपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। कोठड़ी-धौलाकुआं मार्ग पर तेज रफ्तार कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

ससुराल से लौटते समय

हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार मिजार्पुर थाना क्षेत्र के गांव मलकपुर निवासी लविश अपने परिवार के सदस्यों के साथ शुक्रवार को अपनी ससुराल कोठड़ी गया था। शनिवार दोपहर को वह परिवार के साथ वापस गांव लौट रहा था।

इसी दौरान कोठड़ी और धौलाकुआं के बीच पीछे से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 28 वर्षीय लविश पुत्र जयपाल, उसकी 5 वर्षीय पुत्री रूही, 24 वर्षीय संजना पुत्री जयपाल और 50 वर्षीय राजदुलारी पत्नी जयपाल की मौत हो गई।

दुर्घटना इतनी भीषण थी कि परिवार को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

बताया गया है कि लविश तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। उसकी शादी वर्ष 2022 में हुई थी। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं। हादसे में बेटी रूही की भी जान चली गई, जबकि बेटा अब अपने परिवार के कई सदस्यों को खो चुका है।

एक साथ चार मौतों से गांव मलकपुर में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

करंट लगने से 21 साल के युवक घनश्याम की मौत, परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाए लापरवाही के आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। बस स्टैंड के सामने उर्मिला सेवा सदन निवासी 21 वर्षीय युवक घनश्याम की करंट लगने से मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि समय पर उचित इलाज न मिलने और डॉक्टरों की लापरवाही के कारण युवक की जान चली गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के मुताबिक, घनश्याम पुत्र विनोद सोमवार सुबह घर से उर्मिला सेवा सदन की शटर खोल रहा था शटर खोल ते ही बिजली का करंट लगा गया इसी दौरान वह तेज करंट की चपेट में आ गया और बेहोश होकर गिर पड़ा। आनन-फानन में परिजन उसे नजदीकी chc अस्पताल लेकर पहुंचे।

मृतक के परिजन विनोद अग्रवाल ने आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी डॉक्टरों ने घनश्याम को तुरंत गंभीरता से नहीं लिया। उनका कहना है, अगर डॉक्टर समय पर सही इलाज कर देते तो घनश्याम बच जाता।

डॉक्टरों की लापरवाही की

वजह से हमारे घर का चिराग बुझ गया।

मृतक की पहचान घनश्याम, पुत्र विनोद, उम्र 21 वर्ष, निवासी उर्मिला सेवा सदन, गोवर्धन बस स्टैंड के सामने के रूप में हुई है। घनश्याम अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। उसकी मौत से घर की आर्थिक स्थिति भी खराब हो गई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घनश्याम की मौत की खबर फैलते ही उर्मिला सेवा सदन और आसपास के इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। लोग परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं।

शनिवार को छोटी देवरई स्थित शनि देव मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

वेलकम इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। शनिवार को छोटी देवरई स्थित प्राचीन शनि देव मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्तों का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शनि देव का पूजन-अर्चन कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में भक्तों ने शनि देव को तेल अर्पित किया तथा श्रद्धापूर्वक दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भीड़ को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा व्यवस्थाएं भी की गई थीं, जिससे दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंदिर के पुजारी नरेश चंद्र शास्त्री ने बताया कि शनिवार के दिन शनि देव के दर्शन और पूजा-अर्चना का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से शनि देव की आराधना करने से शनि दोषों का प्रभाव कम होता है तथा जीवन में आने वाली बाधाओं से राहत मिलती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से नियमित रूप से भगवान शनि देव की उपासना करने का आह्वान किया। मंदिर में दिनभर भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने शनि देव के जयकारों के साथ पूजा-अर्चना संपन्न की।

प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जनपद के मीडिया बंधुओं के साथ की गई प्रेस वार्ता

प्रभारी मंत्री द्वारा कंपोजिट विद्यालय सरैया परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण की रक्षा, प्रदूषण की रोकथाम तथा जनपद को हरियालीयुक्त बनाने हेतु किया गया प्रेरित

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उ0प्र0 शासन एवं जनपद की प्रभारी मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समेकित जनकल्याण एवं जन जागरूकता अभियान के क्रम में निरीक्षण भवन खलीलाबाद में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान जनपद के प्रिंट/इलेक्ट्रानिक मीडिया से मुखातिब होकर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश की प्रगति तथा विकास के हर क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक एवं सराहनीय कार्यों सहित आम जनमानस का जीवन स्तर ऊंचा उठाने हेतु सरकारी नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष भाजपा नीतू सिंह, विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी , विधायक मेहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान , जिला प्रभारी भाजपा अजय सिंह गौतम , जिलाधिकारी आलोक कुमार, पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

प्रभारी मंत्री ने प्रेस-वार्ता के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का विगत 12 वर्षों का कार्यकाल बेहद सराहनीय रहा है।इस अवधि में देश ने हर क्षेत्र में उन्नत विकास किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री द्वारा कोई कमी नहीं छोड़ी गई है। विगत 12 वर्षों में देश को नई दिशा, नई ऊर्जा और नई पहचान मिली है।

उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया की तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है तथा हम वैश्विक मंच पर मजबूत नेतृत्व के रूप में उभरे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमेशा गरीबों, मजदूरों, किसानों, महिलाओं, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों तथा उन सभी वर्गों के लिए कार्य किया है जिनके बारे में आजादी के बाद से अब तक सोचा भी नहीं गया था।

आज हम खाद्यान्न, रक्षा, चिकित्सा, आयुध उपकरणों के निर्माण में पहले से अधिक आत्मनिर्भर हैं, आज देश में शांति एवं कानून व्यवस्था का राज स्थापित है, हमारे नागरिक निडर होकर पहले से अधिक सम्मान से जीवन जी रहे हैं।

उन्होंने सरकार द्वारा चलाई गई महत्वपूर्ण योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन-धन योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मेक इन इंडिया कार्यक्रम, स्किल इंडिया कार्यक्रम, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्रमेव जयते योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, डिजिटल इंडिया कार्यक्रम, स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत योजना, सोएल हेल्थ योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, उज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, स्टार्टअप इंडिया योजना, स्टैंडअप इंडिया योजना, उजाला योजना, नमामि गंगे कार्यक्रम, सौभाग्य योजना, प्रधानमंत्री वंदन योजना, आयुष्मान भारत योजना, खेलो इंडिया कार्यक्रम, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना व मुद्रा योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं लाभार्थीपरक योजनाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला।

उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व व मार्ग दर्शन में देश के चौमुखी विकास पर उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को लाभ मिल रहा है। प्रभारी मंत्री ने जनपद भ्रमण के दौरान खलीलाबाद विकासखंड अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय सरैया के प्रांगण में वृक्षारोपण कर जनपदवासियों को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा अपने जनपद को स्वच्छ, सुंदर व हरियालीयुक्त बनाने का संदेश दिया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को साकार करने तथा वृक्षारोपण अभियान को सफल बनाने में वन विभाग सहित सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य से अधिक पौधो को रोपित करें और भारत माता को हरा-भरा और समृद्ध बनाने के लिए जनपद के नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के अनुकूल वातावरण देने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है, हमारे लगाए गए वृक्षों का लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी उठाएगी।इसलिए समाज के प्रति हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाएं।

प्रभारी मंत्री, जिलाध्यक्ष भाजपा, विधायक व भाजपा के पदाधिकारियों द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत कंपोजिट विद्यालय सरैया में स्वयं झाड़ू लगाकर व कचरे की सफाई कर जनपदवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया।इस दौरान प्रभारी मंत्री ने सफाई कर्मियों की टोली बनाकर पूरे क्षेत्र की सफाई कराने के निर्देश दिए तथा जनपद वासियों से अपील किया कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान में शामिल होकर हम सभी को अपना घर, जनपद, देश एवं प्रदेश को संपूर्ण स्वच्छ बनाए रखना है तथा पर्यावरण की शुद्धता के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना है। इस अवसर पर भाजपा पदाधिकारीगण, उप जिलाधिकारी खलीलाबाद हृदय राम तिवारी, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार प्रभात द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने थाना समाधान दिवस पर कोतवाली खलीलाबाद में सुनीं जनसमस्याएं, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार व पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा थाना समाधान दिवस पर संयुक्त रुप से थाना कोतवाली खलीलाबाद पर पहुंचकर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में थाना समाधान दिवस के आयोजन पर फरियादियों से उनकी समस्याओं को मौके पर सुना गया। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों के शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

अधिकारीद्वय ने कहा कि राजस्व और पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। तत्पश्चात वहां मौजूद शिकायत पंजिका का निरीक्षण करते हुए निस्तारित हो चुकी शिकायतों के संबंध मे फीडबैक भी लिया गया। इस अवसर पर राजस्व व पुलिस के अधिकारी / कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से युवक की मौत, चालक फरार

घायल को निजी अस्पताल के बाहर छोड़कर भागने का वीडियो सीसीटीवी में कैद

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर एवं क्षेत्र में पुलिस की सांठगांठ से चल रहे मिट्टी से भरे वाहनों के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। मिट्टी खनन माफिया जहां पर्यावरण के लिए खतरा बने हुए हैं, वहीं आए दिन सड़क हादसों को भी अंजाम दे रहे हैं। शनिवार को दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर गांव नानूपुरी के समीप मिट्टी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक और मालिक की तलाश शुरू कर दी है।जनपद मुजफ्फरनगर के कस्बा बघरा निवासी रिहान पुत्र इस्लाम कस्बे के दिल्ली रोड स्थित एक होटल पर रोटी बनाने का कार्य करता था। शनिवार को वह अपनी बाइक से शामली स्थित अपने कमरे पर जा रहा था। जैसे ही वह थाना क्षेत्र के दिल्ली-सहारनपुर हाईवे स्थित गांव नानूपुरी के समीप पहुंचा, तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर चालक ने लापरवाही से कट मार दिया, जिससे बाइक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर नीचे जा घुसी।बताया जा रहा है कि हादसे के समय ट्रैक्टर चालक नाबालिग था, जो ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इसी दौरान ट्रैक्टर मालिक, जो हरियाणा निवासी बताया जा रहा है, घायल युवक को लेकर कस्बे के एक निजी अस्पताल पहुंचा, लेकिन उसे अस्पताल के बाहर तड़पता छोड़कर अपनी कार से फरार हो गया। यह पूरी घटना अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।इसके बाद सरकारी एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए।

हादसे के बाद भी हाईवे पर दौड़ते रहे मिट्टी से भरे वाहन

हादसे के बाद भी मिट्टी से भरे वाहन हाईवे पर बेखौफ दौड़ते रहे, जिसको लेकर नगर एवं क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पुलिस की सांठगांठ से यह मिट्टी से भरे वाहन शाम ढलते ही नगर और क्षेत्र की सड़कों पर दौड़ने शुरू हो जाते हैं।आरोप है कि इन वाहनों के संचालन के बदले पुलिस द्वारा मोटी रकम वसूली जा रही है।हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

तेज आंधी के चलते ट्रांसफार्मर सहित विद्युत पोल गिरा, अंधेरे में रहे ग्रामीण

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव सुन्ना में देर रात आई तेज आंधी और तूफान के कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया। तेज हवाओं के चलते गांव में विद्युत पोल पर रखा ट्रांसफार्मर पोल सहित अचानक जमीन पर गिर गया, जिससे विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई और पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

अचानक बिजली गुल होने से ग्रामीणों को पूरी रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। तेज हवा और बूंदाबांदी के बीच ट्रांसफार्मर गिरने से गांव में अंधेरा छाया रहा।हालांकि घटना देर रात होने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह हादसा दिन के समय होता तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त विद्युत लाइन व ट्रांसफार्मर की मरम्मत का कार्य शुरू किया। विभागीय कर्मचारियों की मेहनत के बाद बिजली व्यवस्था को दोबारा सुचारू कर दिया गया। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से गांव में जर्जर हो चुके विद्युत पोल और उपकरणों की जांच कर समय रहते मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।

शराब ठेके के पास मिला शव, क्षेत्र में फैली सनसनी, नशे की भेट चढा मृतक

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के कैराना मार्ग स्थित शराब ठेके के निकट एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों और आसपास के दुकानदारों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर कानूनी कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।शनिवार सुबह शराब ठेके के आसपास मौजूद लोगों ने करीब 35 वर्षीय व्यक्ति को मृत अवस्था में पड़ा देखा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मृतक की पहचान कराने के प्रयास शुरू किए। काफी प्रयासों के बाद मृतक की पहचान जनपद बागपत के गांव ककड़ीपुर निवासी पवन के रूप में हुई। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी, जिसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

परिजनों ने पुलिस को बताया कि पवन लंबे समय से नशे का आदी था और अक्सर कस्बे में ही रहता था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के स्पष्ट कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी, एक और जिंदगी काल के गाल में समाई

नगर एवं क्षेत्र में नशे का अवैध कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। नशे की लत युवाओं और आम लोगों के लिए गंभीर समस्या बनती जा रही है।नशे की गिरफ्त में आकर एक और व्यक्ति की मौत होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक मामलों को रोका जा सके। सूत्र बताते हैं कि कुछ पुलिसकर्मी नशे कारोबारियों के साथ मेल बनाकर रखते हैं इसी कारण नशे का कारोबार फल फूल रहा है।

सिंचाई के लिए बना ट्यूबवेल बदहाल, जिम्मेदार मौन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। विकास खंड सेमरियावां के दरियाबाद के राजस्व गांव कथकपुरवा में किसानों को सिंचाई सुविधा मुहैया उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बना ट्यूबवेल देखरेख के अभाव में बदहाली का शिकार है। जानकारी के बाद भी संबंधित जिम्मेदार अनजान बने हुए हैं।

सेमरियावां ब्लाक क्षेत्र के दरियाबाद के राजस्व गांव कथकपुरवा में दशकों पूर्व किसानों को स्थानीय स्तर पर सस्ती और बेहतर सिंचाई सुविधा मरम्मत व देखरेख के अभाव में बदहाली का शिकार है।

टूटी नाली, बदहाल व्यवस्था किसानों की परेशानी का सबब बना हुआ है। ग्रामीण मोहम्मद आबिद, मोहम्मद शब्बीर, किफायतुल्लाह, मोहम्मद असलम आदि ने प्रशासन से उत्पन्न समस्या के समाधान की मांग किये हैं।

भाजपा नेता ने थाना प्रभारी पर लगाए गंभीर आरोप, प्रभारी मंत्री से की जांच की मांग

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला मंत्री एवं अखिल भारतीय गुर्जर देव सेना के जिला अध्यक्ष हरिमोहन चौहान उर्फ मोनू प्रधान ने थाना कांधला में तैनात प्रभारी निरीक्षक के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जनपद के प्रभारी मंत्री को शिकायती पत्र दिया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शिकायत पत्र में भाजपा नेता ने आरोप लगाया है कि थाना क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। उनका कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब, जुआ, सट्टा एवं नशे से जुड़े कारोबार संचालित हो रहे हैं, जिससे सामाजिक माहौल प्रभावित हो रहा है और युवाओं पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि थाना परिसर में कुछ दलाल सक्रिय हैं तथा विभिन्न कार्यों से थाने पहुंचने वाले आम नागरिकों और पार्टी कार्यकताओं के साथ उचित व्यवहार नहीं किया जाता। इससे कार्यकताओं में नाराजगी व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने थाना प्रभारी के कार्यकाल की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लंबे समय से एक ही स्थान पर तैनात पुलिस कर्मियों के स्थानांतरण की भी मांग की है।

मामले को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर चचाओं का दौर शुरू हो गया है। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक पुलिस विभाग की ओर से आरोपों के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

मामूली विवाद में युवक पर चाकू से हमला, गंभीर घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत में बच्चों के मामूली विवाद के बाद युवक पर चार लोगों द्वारा जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक के साथ मारपीट करने के बाद उसकी छाती पर चाकू से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

पीड़ित पक्ष ने चार आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत निवासी कय्यूम ने बताया कि गांव में छोटे बच्चों के बीच मामूली मारपीट हो रही थी, जिसका निपटारा उसके पुत्र सोहेल ने करा दिया था। आरोप है कि इससे नाराज चार लोगों ने सोहेल को पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान आरोपियों ने उसकी छाती पर चाकू से वार कर उसे घायल कर दिया।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि घायल अवस्था में सोहेल को लेकर वह थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने उसे काफी देर तक बैठाए रखा और समय पर उपचार नहीं कराया। बाद में घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया। पीड़ित ने चार आरोपियों के विरुद्ध तहरीर दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

आस्था यादव ने बीएससी में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर बढ़ाया जिले का मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। लगन, मेहनत और मजबूत इरादे एक साथ हों तो कामयाबी खुद-ब-खुद कदम चूमती है। इसी का जीता-जागता उदाहरण पेश किया है आस्था यादव ने। विकास खण्ड सेमरियावा के श्री मुनई यादव सोमना देवी महाविद्यालय हुजुरा सुहावा की बीएससी छात्रा आस्था यादव पुत्री अमरजीत यादव ने सर्वोच्च अंक 2100/2600 प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए उन्हें 29 जून को महामहिम राज्यपाल महोदया के दस्त-ए-मुबारक से सम्मानित किया जाएगा। आस्था यादव ने बातचीत में कहा कि यह सम्मान उनके लिए किसी बड़े सपने के पूरे होने जैसा है। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और शुभचिंतकों को देते हुए कहा कि उनकी दुआओं और मार्गदर्शन ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और देश की सेवा के लिए निरंतर प्रयास करती रहेंगी। विद्यालय संचालक डी. एन. यादव ने कहा कि आस्था यादव की यह कामयाबी पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि अपनी मेहनत और लगन से यह साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती। उन्होंने युवाओं से भी शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाने की अपील की। आस्था यादव की इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओमप्रकाश यादव, प्रबंधक जगराम यादव, संचालक रामनाथ यादव, सह संचालक यजदानी अशरफ, सैयद मोहम्मद निजाम अशरफ, जिला पंचायत सदस्य गौहर अली खान, सोनू कुमार गौड़, सुशील कुमार, जफीर करखी, एजाज मुनीर, रिजवान मुनीर, जुनेद अशरफ सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

घर के बाहर खड़ी स्प्लेंडर बाइक चोरी, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर एवं क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ताजा मामला मोहल्ला खेल का है, जहां घर के बाहर खड़ी एक व्यक्ति की बाइक चोर चोरी कर ले गए।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी अरशद ने बताया कि उसने 10 जून की रात अपनी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी की थी।

सुबह उठकर देखा तो बाइक मौके से गायब थी। आसपास काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चोर की तालाश शुरू कर दी है।नगर एवं क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं को लेकर लोगों में चिंता बढ़ रही है।स्थानीय लोगों का कहना है कि चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। अब लोगों की निगाहें पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं कि चोरी हुई बाइक बरामद होती है या मामला जांच तक ही सीमित रह जाता है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर सांसद जगदंबिका पाल ने गिनाई उपलब्धियां

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन, विश्वास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शनिवार को डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल के आवास पर आयोजित प्रेस वार्ता में सांसद ने मोदी सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की उपलब्धियों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, गरीब कल्याण और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। सांसद ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश में 5.37 करोड़ से अधिक तथा उत्तर प्रदेश में 62 लाख से अधिक परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश के 81 करोड़ से अधिक तथा प्रदेश के 15 करोड़ से अधिक लोगों को निःशुल्क राशन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत देश में 43.52 करोड़ से अधिक और उत्तर प्रदेश में 9.57 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। वहीं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से देश के 9.8 करोड़ तथा प्रदेश के 3.12 करोड़ से अधिक किसान परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। जगदंबिका पाल ने बताया कि प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत देशभर में 58.3 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10.58 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश में 15.9 करोड़ से अधिक ग्रामीण शौचालयों का निर्माण कराया गया है, जबकि जल जीवन मिशन के अंतर्गत करोड़ों घरों तक नल से जल पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना से महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण हुआ है तथा मुद्रा योजना ने स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है। आधारभूत संरचना के क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, एक्सप्रेसवे निर्माण, ग्रामीण सड़क संपर्क और रेलवे के आधुनिकीकरण में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने बताया कि देश में 162 से अधिक वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है तथा रेलवे का लगभग 99 प्रतिशत नेटवर्क विद्युतीकृत हो चुका है। उड़ान योजना के माध्यम से हवाई संपर्क का भी तेजी से विस्तार हुआ है। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है तथा इसी संकल्प के साथ सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

जौनपुर सदर 366 विधानसभा में 10 हजार से अधिक फर्जी मतदाता एसआईआर में शामिल किए गए: मो0 अरशद खान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान पूरे प्रदेश में बड़ी संख्या में फर्जी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि केवल जौनपुर सदर (366) विधानसभा क्षेत्र में ही 10 हजार से अधिक फर्जी नाम जोड़े गए हैं।

श्री खान ने आरोप लगाया कि एक ही व्यक्ति का नाम, पिता का नाम (वल्दियत) और अन्य विवरण समान होने के बावजूद उसे अलग-अलग बूथों पर आठ-आठ, दस-दस बार मतदाता के रूप में दर्ज किया गया है।

इसी प्रकार अनेक महिलाओं के नाम भी उनके पति अथवा पिता के नाम के साथ विभिन्न बूथों पर बार-बार दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि जौनपुर सदर विधानसभा में ही 10 हजार से अधिक फर्जी नाम पाए जा रहे हैं, तो इसी अनुपात में पूरे उत्तर प्रदेश में ऐसे फर्जी मतदाताओं की संख्या 40 से 50 लाख तक हो सकती है। यह लोकतंत्र और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए गंभीर चिंता का विषय है। मोहम्मद अरशद खान ने जिलाधिकारी जौनपुर से मांग की है कि जनपद की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों की पुनः गहन जांच कराई जाए तथा जो भी फर्जी नाम शामिल किए गए हैं, उन्हें तत्काल हटाकर संशोधित एवं शुद्ध मतदाता सूची प्रकाशित की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर पूरे उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों की पुनः जांच कराने की मांग की गई है।

उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं के नाम एक ही विवरण के साथ कई-कई बूथों पर दर्ज किए गए हैं, उनकी निष्पक्ष जांच कर फर्जी प्रविष्टियों को हटाया जाना चाहिए, ताकि मतदाता सूची की शुद्धता और चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनी रहे। श्री खान ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का शुद्ध और पारदर्शी होना अत्यंत आवश्यक है तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

मोपेड सवार 58 वर्षीय वृद्ध को कार चालक ने मारी जोरदार टक्कर हुई मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहमदगढ़/बुलंदशहर। अहमदगढ़ थाना क्षेत्र के गांव गंगावास पैट्रोल पंप के पास मोपेड सवार 58 वर्षीय वृद्ध को कार चालक ने मारी जोरदार टक्कर हुई मौत। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिशंकर पुत्र राम सहाय निवासी गांव भोपतपुर थाना पहासू जनपद बुलंदशहर शनिवार को अपने गांव से शिकारपुर थाना क्षेत्र के गांव अजनारा जा रहे थे कि मेरठ बदायूं हाईवे मार्ग पर गंगावास पैट्रोल पंप के निकट तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर गाड़ी ने मोपेड सवार 58 वर्षीय वृद्ध को जोरदार टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायलावस्था में पीआरबी 112 ने अस्पताल पहुंचाया जहां पर डॉक्टरों ने वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस ने परिजनों को दी जानकारी मिलते ही परिजन थाने पहुंचे उसके बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज कर पुलिस अग्रिम कार्यवाही में जुटी है।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादें, भूमि विवादों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। शासन की मंशा के अनुरूप आयोजित संपूर्ण थाना समाधान दिवस के तहत शनिवार को थाना सिद्धार्थनगर परिसर में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन की उपस्थिति में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षकों, लेखपालों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा, अवैध कब्जा, पट्टा, नाली एवं चकमार्ग से जुड़े मामलों का मौके पर जाकर निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से मौके का निरीक्षण कर कार्रवाई की जाए। डीएम ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

उन्होंने उपस्थित लोगों से आपसी सौहार्द बनाए रखने और विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की अपील की। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी नौगढ़ राहुल सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान, नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के अधिशासी अधिकारी अजय सिंह, थानाध्यक्ष सिद्धार्थनगर, राजस्व निरीक्षक, लेखपाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

स्याना/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में उपजिलाधिकारी स्याना लालजी विश्वकर्मा, क्षेत्राधिकारी स्याना रामकरन सिंह, सीओ सिकंदराबाद भास्कर मिश्रा व सीओ खुर्जा शोभित कुमार द्वारा आगामी त्योंहारों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत बीबीनगर क्षेत्रांतर्गत प्रमुख चौराहों, बस अड्डों, सार्वजनिक स्थलों एवं सार्वजनिक परिवहन साधनों पर पुलिस बल के साथ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया तथा पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों एवं सामान की गहनता से जांच की गई तथा बस अड्डों एवं सार्वजनिक परिवहन साधनों पर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष सतर्कता बरतते हुए पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। भ्रमण के दौरान अधिकारियों द्वारा आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव सुने गए तथा लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने, सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं का प्रसार न करने एवं किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया। यातायात प्रभारी निरीक्षक राजपाल तोमर, थाना प्रभारी निरीक्षक बीबीनगर राहुल कुमार सहित पर्याप्त पुलिस बल साथ रहा।

एसएसबी ने खाद और धान बीज की तस्करी नाकाम की, एक तस्कर गिरफ्तार

असदुल्लाह सिद्दीकी

खुनुवा/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। भारत-नेपाल सीमा पर तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 43वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सीमा चौकी खुनुवा के जवानों ने विशेष गश्त के दौरान खाद और धान बीज की तस्करी का प्रयास विफल करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बरामद सामान और आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। एसएसबी के अनुसार शुक्रवार को सीमा चौकी खुनुवा की गश्ती टीम सूचना के आधार पर सीमा स्तंभ संख्या-554 के निकट महली गांव क्षेत्र में विशेष निगरानी कर रही थी। इसी दौरान चार व्यक्ति तीन साइकिलों पर सामान लादकर भारत की ओर से सीमा की तरफ जाते दिखाई दिए। जवानों को देखते ही सभी लोग साइकिलों पर लदा सामान छोड़कर भागने लगे। गश्ती दल ने तत्परता दिखाते हुए एक व्यक्ति को पकड़ लिया, जबकि तीन अन्य आरोपी नेपाल की ओर फरार हो गए। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम शकील अहमद पुत्र निजामुद्दीन अहमद, निवासी सुथौली (नेपाल) बताया। मौके पर छोड़े गए सामान की तलाशी लेने पर पांच बोरी यूरिया खाद, दो बोरी डीएपी खाद तथा 106 किलोग्राम शंकर धान बीज (106 पैकेट) बरामद किया गया। जब्त सामग्री और आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के लिए कस्टम विभाग खुनुवा को सौंप दिया गया। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध तस्करी, मानव तस्करी, नशीले पदार्थों, अवैध मुद्रा तथा वन्यजीव उत्पादों की रोकथाम के लिए बल लगातार अभियान चला रहा है। इसी सतर्कता के चलते सीमा पर अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध नियमित रूप से कार्रवाई की जा रही है।

बड़े ही धूमधाम से मनाया गया भोजपुरी के देसी स्टार समर सिंह का जन्मदिन, बधाई देने के लिए जुटे हजारों लोग

संदीप तिवारी

वाराणसी मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। भोजपुरी के देसी स्टार समर सिंह का जन्मदिन बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर समर सिंह आपने टीम के साथ बाबा मारकण्डेय महादेव व महावीर मंदिर में दर्शन पुजन किये। उन्होंने बताया की मै आपने जन्मदिन के अवसर पर हर साल की भांति इस साल भी सावन का गाना रिकॉर्ड किया। समर सिंह का गाना जितना बहुत आता है सब गाना ट्रेंडिंग में ही जाता है।इस खास मौके पर हजारों की संख्या में प्रशंसक, कलाकार और शुभचिंतक पहुंचकर अपने चहेते स्टार समर सिंह जी को जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। जन्मदिन समारोह में भावी जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी अंकित मिश्रा, विवेक प्रधान, गायक मनोज यादव,गायक विनय पाण्डेय शानू, किशन पाण्डेय, प्रकाश चाचा,कृष्णा राय, गायक समर गुप्ता, गायक शिवम यादव, लेखक आलोक यादव,लेखक हरेंद्र हरियाली, एडीआर आनंद, पप्पू वर्मा, लेखक गुड्डु देहाती, म्यूजिक डायरेक्टर अभिराम पाण्डेय,वीडियो डायरेक्टर आलोक यादव,विवेक राय पत्रकार वाराणसी,शुभम जैकर, खुश्बू गाजीपुरी,गायक आकाश कुशवाहा, शेषनाथ यादव, आयुष राय समेत अन्य लोगों ने समर सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। समर सिंह ने सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकों का आभार जताते हुए कहा कि दर्शकों का प्यार और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। समारोह में भोजपुरी संगीत जगत की रौनक देखने को मिली।

16 से 22 जून तक खरखौदा में गूंजेगी श्रीराम कथा, 15 जून को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

उज्जवल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। जनपद मेरठ के कस्बा खरखौदा स्थित लल्लू चेयरमैन फार्म हाउस में 16 जून से 22 जून 2026 तक सात दिवसीय भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जाएगा।

कथा का रसपान आचार्य शान्तनु जी महाराज कराएंगे। आयोजन समिति के अनुसार 15 जून की शाम सात बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें करीब एक हजार महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। कथा प्रतिदिन शाम 3:30 बजे से 6 बजे तक आयोजित होगी।

कार्यक्रम के संयोजक भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अजय त्यागी ने बताया कि कथा के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, भक्ति, प्रेम और सदाचार का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कथा स्थल पर बैठने, पेयजल, वाहन पार्किंग तथा गर्मी से बचाव के विशेष प्रबंध किए गए हैं। कथा के दौरान प्रतिदिन भजन-कीर्तन का भी आयोजन होगा। 22 जून को समापन अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल महाप्रसाद का वितरण किया जाएगा।

आयोजन समिति ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से परिवार सहित कथा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था भी की गई है।

विश्व रक्तदाता दिवस- 14 जून 2026: करनाल में जन्मे डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने रक्तदान को बनाया जीवन का मिशन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

करनाल। करनाल की धरती पर जन्मे, पले-बढ़े और शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात हरियाणा पुलिस में सिपाही भर्ती होकर उपनिरीक्षक पद पर पहुंचे डॉ. अशोक कुमार वर्मा आज देशभर में पुलिस विभाग के सर्वोच्च रक्तदाता के रूप में जाने जाते हैं। रक्तदान के प्रति उनका समर्पण उन्हें लाखों लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनाता है। वे अब तक 183 बार रक्तदान, 89 बार प्लेटलेट्स दान तथा 1 बार प्लाज्मा दान कर चुके हैं। वर्ष 1990 से शुरू हुई उनकी रक्तदान यात्रा आज भी निरंतर जारी है। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा करनाल में प्राप्त की। वे राजकीय महाविद्यालय करनाल के छात्र तथा एनसीसी कैडेट रहे हैं। वर्ष 1990 में उन्होंने डीएवी कॉलेज, करनाल में पहली बार रक्तदान किया था। यही वह अवसर था जिसने उनके जीवन में सेवा और मानवता की एक नई राह खोल दी। रक्तदान के प्रति उनका समर्पण एक व्यक्तिगत अनुभव के बाद और अधिक मजबूत हो गया। उनके पुत्र के जन्म के समय वह गंभीर पीलिया से पीड़ित हो गया था और चिकित्सकों ने रक्त बदलने की आवश्यकता बताई। उस समय डॉ. वर्मा ने स्वयं रक्तदान कर अपने पुत्र के उपचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस घटना ने उनके मन में यह संकल्प पैदा किया कि वे जीवनभर रक्तदान करेंगे और जरूरतमंद लोगों की सहायता करते रहेंगे। उनके जीवन की एक अन्य प्रेरणादायक घटना भी पहले रक्तदान से जुड़ी है। पहली बार रक्तदान करने पर परिवार के कुछ सदस्यों ने इसे उचित नहीं माना, जिससे वे कुछ निराश हुए। लेकिन उसी दिन उनके पिता स्वर्गीय कली राम, जो भारतीय सेना में सैनिक रहे थे, ने उनका उत्साह बढ़ाते हुए कहा, ह्नरक्तदान महादान है, आपने बहुत अच्छा कार्य किया है और इसे निरंतर जारी रखना चाहिए।ह्व पिता के इन शब्दों ने उनके जीवन की दिशा तय कर दी और उन्होंने रक्तदान को अपना मिशन बना लिया। अपने सैनिक पिता की स्मृति को जनसेवा से जोड़ते हुए डॉ. वर्मा ने 26 नवम्बर 2010 को उनकी पुण्यतिथि पर करनाल में पहला स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया। तब से वे प्रतिवर्ष अपने पिता स्वर्गीय कली राम की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित करते आ रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा अब तक 590 स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन कर चुके हैं। इन शिविरों में 21,076 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया है। इससे लगभग 63,228 जरूरतमंद मरीजों, थैलेसीमिया पीड़ितों और दुर्घटनाग्रस्त लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिला है। इसके अतिरिक्त वे विभिन्न माध्यमों से आपातकालीन परिस्थितियों में भी रक्त उपलब्ध करवाने में सक्रिय रहते हैं और अब तक 80 हजार से अधिक लोगों तक रक्त उपलब्ध कराने में सहयोग कर चुके हैं। डॉ. वर्मा की रक्तदान यात्रा केवल उनकी व्यक्तिगत सेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसे एक पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जनआंदोलन का रूप दे दिया है। उनका पूरा परिवार रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। चाहत स्टूडियो के स्वामी उनके स्वर्गीय भाई विनोद कुमार वर्मा 70 से अधिक बार रक्तदान कर चुके थे। उनके बड़े भाई सतपाल वर्मा तथा यशवंत वर्मा भी अनेक बार रक्तदान कर चुके हैं। उनके एक भाई नरेश कुमार खिप्पल 50 से अधिक बार रक्तदान कर चुके हैं। उनके बहनोई धर्मेंद्र वर्मा, भांजे-भांजियां तथा भतीजे-भतीजियां भी नियमित रूप से रक्तदान कर समाजसेवा में योगदान देते हैं। उनके सुपुत्र अक्षय वर्मा, सुपुत्री प्रियंका वर्मा, जो हरियाणा में न्यायिक सेवा में कार्यरत हैं, तथा छोटी पुत्री दिवा वर्मा भी अनेक बार रक्तदान कर चुकी हैं। उनकी धर्मपत्नी भी रक्तदान एवं सामाजिक कार्यों में निरंतर उनका सहयोग करती हैं। परिवार के सभी सदस्यों का यह समर्पण दशार्ता है कि रक्तदान उनके परिवार की जीवनशैली और संस्कार का हिस्सा बन चुका है। न केवल परिवार, बल्कि अपने रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों को भी डॉ. वर्मा ने रक्तदान के इस अभियान से जोड़ा है। उनके प्रेरक प्रयासों से सैकड़ों लोग नियमित रक्तदाता बने हैं और मानवता की सेवा के इस महायज्ञ में सहभागी बन रहे हैं। रक्तदान के क्षेत्र में उनकी अतुलनीय सेवाओं के लिए उन्हें हरियाणा के महामहिम राज्यपाल द्वारा दो बार स्वर्ण पदक प्रदान किया जा चुका है। उन्हें राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। सामाजिक सेवा, रक्तदान जागरूकता और मानवता की सेवा के लिए उन्हें विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर सम्मानित किया गया है। पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें 26 जनवरी 2020 को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। वर्तमान में वे मधुबन स्थित हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में जागरूकता एवं पुनर्वास गतिविधियों से जुड़े हुए हैं तथा पूरे हरियाणा में नशामुक्ति अभियान को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा केवल रक्तदान तक सीमित नहीं हैं। वे रोटी बैंक के प्रधान के रूप में भी समाजसेवा के अनेक कार्यों का नेतृत्व कर रहे हैं। साइकिल यात्राओं, जन-जागरण कार्यक्रमों, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान जागरूकता और नशामुक्ति अभियानों के माध्यम से वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार वर्मा का जीवन इस बात का सशक्त उदाहरण है कि यदि एक व्यक्ति सेवा का संकल्प ले ले, तो वह हजारों लोगों के जीवन में आशा, विश्वास और नई ऊर्जा का संचार कर सकता है। करनाल की इस महान विभूति ने रक्तदान को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जनसेवा का आंदोलन बना दिया है। उनकी रक्तदान यात्रा न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है और आने वाली पीढ़ियों को मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी। शिक्षा के क्षेत्र में उनकी रुचि इस बात का प्रतीक है कि वे नियमित शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वे पीएचडी इन लॉ, मास्टर ऑफ कॉमर्स, मास्टर ऑफ फिलोसॉफी, मास्टर ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर ऑफ लॉज, मास्टर ऑफ साइकोलॉजी, पीजी इन साइबर लॉ आदि अनेक उच्च शिक्षा ग्रहण कर चुके हैं।

12 वर्ष बेमिसाल: जनकल्याण योजनाओं को लेकर ग्राम चौपाल में उमड़ा जनसैलाब

प्रभारी मंत्री ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री एवं पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में विकासखंड मुरादनगर की न्याय पंचायत अबूपुर स्थित अंबेडकर भवन में ₹12 साल बेमिसाल₹ समेकित जनकल्याण एवं जनजागरण अभियान के अंतर्गत रात्रि ग्राम चौपाल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता कर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम मैं पहुंचने पर प्रभारी मंत्री द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति एवं लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। ग्राम चौपाल के अवसर पर श्रम विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, नेडा, आयुष विभाग, जिला उद्योग केंद्र, जिला पूर्ति विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा जनसेवा शिविर लगाए गए। शिविरों में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

अपने संबोधन में प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, किसान हित, युवाओं के रोजगार, आधारभूत संरचना के विकास, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, डिजिटल सेवाओं की पहुंच तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना है। इसके पश्चात मंत्री ने ग्रामवासियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना। चौपाल में प्राप्त विभिन्न शिकायतों और मांगों पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। जिन समस्याओं का मौके पर समाधान संभव था, उनका तत्काल निस्तारण कराया गया, जबकि अन्य मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान हेतु संबंधित विभागों को सौंपा गया। कार्यक्रम में मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राज करन नैय्यर, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, ब्लॉक प्रमुख मुरादनगर राजीव त्यागी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनता की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

लघु उद्योग भारती मोदीनगर इकाई के पदाधिकारी कार्यक्रम में हुए शामिल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदी सरकार के 12 वर्षों के अभूतपूर्व विकास और जनकल्याण के उपलक्ष्य में गाजियाबाद में आयोजित कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती, मोदीनगर इकाई के पदाधिकारी शामिल हुए और प्रदेश के पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री / प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह का स्वागत किया और उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। आयोजित कार्यक्रम में लघु उद्योग भारती, मोदीनगर इकाई की ओर से एस.के. गौतम (अध्यक्ष), प्रवीण डबास (महामंत्री), यशवीर यादव (कोषाध्यक्ष), सुशील शर्मा (समाजसेवी) एवं चंदवीर (समाजसेवी) ने धर्मपाल सिंह (पशुपालन एवं दुग्ध विकास मंत्री / प्रभारी मंत्री) का स्वागत किया और उन्हें समस्याओं से अवगत कराया। मंत्री ने लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी को समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। मोदीनगर इकाई के अध्यक्ष एस.के. गौतम ने बताया कि गाजियाबाद के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में हमें उद्योग एवं विकास से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे प्रस्तुत करने का अवसर भी मिला। विकास, संवाद और प्रगति के लिए हमारी प्रतिबद्धता निरंतर बनी रहेगी।

जेएमएसआईटी कॉलेज गाजियाबाद में 2026 बैच के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

राजेंद्र सिंह

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जेएमएसआईटी कॉलेज गाजियाबाद में शनिवार को वर्ष 2026 बैच के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन किया गया। कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं प्रबंधन ने मिलकर पुरानी यादों को साझा किया और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के चेयरमैन राकेश सिंघल तथा जनरल सेक्रेटरी डॉ. हिमांशु सिंघल रहे। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक डॉ. ए.के. चौहान, एडमिशन डायरेक्टर डॉ. विनोद शर्मा, एडमिशन हेड अंकित चौधरी, शिव शंकर पचौरी, कैंपस मैनेजर डॉ. गौरव शर्मा तथा डीन स्टूडेंट वेलफेयर हिमांशु कुमार भी उपस्थित रहे।समारोह की शुरूआत चेयरमैन राकेश सिंघल एवं जनरल सेक्रेटरी डॉ. हिमांशु सिंघल के प्रेरणादायी संबोधन से हुई। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और संस्थान का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य एवं भाषण प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।कार्यक्रम में विभिन्न श्रेणियों में विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। मुस्कान (एमबीए तृतीय वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व, रिद्धि ठाकुर (बी.टेक चतुर्थ वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ पोशाक, कशिश (एमबीए) को मिस फेयरवेल 2026, वंश कौशिक (बीबीए तृतीय वर्ष) को मिस्टर फेयरवेल 2026, प्रखर भारद्वाज (बीसीए तृतीय वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ पोशाक तथा सूर्य प्रताप सिंह (बीबीए तृतीय वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व का सम्मान प्रदान किया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने कॉलेज में बिताए गए यादगार पलों और अनुभवों को साझा किया। समारोह के अंत में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया तथा विदाई लेने वाले विद्यार्थियों के सफल भविष्य और उज्ज्वल करियर की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राहुल गांधी से मिला प्रजापति समाज का प्रतिनिधिमंडल, अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नई दिल्ली 10 जनपथ स्तिथ राहुल गाँधी के निवास स्थान पर प्रजापति समाज का एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की इस दौरान मोदीनगर से पूर्व कांग्रेस विधानसभा प्रत्याशी नीरज प्रजापति मौजूद रही ।

प्रतिनिधिमंडल ने प्रजापति समाज से जुड़े सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों को राहुल गांधी के समक्ष रखा तथा समाज के विकास और सशक्तिकरण पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने, युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही केंद्र सरकार की नीतियों और प्रजापति समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अपनी चिंताएं भी व्यक्त कीं। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि प्रजापति समाज का देश और प्रदेश के सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, लेकिन समाज को उसकी जनसंख्या और योगदान के अनुरूप राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है।

इस विषय पर राहुल गांधी के साथ लंबी और सार्थक चर्चा हुई। बैठक में सामाजिक न्याय, समान अवसर और समाज के सर्वांगीण विकास को लेकर कई सुझावों का आदान-प्रदान भी किया गया।

स्वर्गीय चौधरी रणबीर सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन,

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। क्षेत्र के सम्मानित समाजसेवी, किसान हितैषी एवं जनप्रिय व्यक्तित्व स्वर्गीय चौधरी रणबीर सिंह की 11वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धा और सम्मान के वातावरण में आयोजित कार्यक्रम में राजनीतिक, सामाजिक एवं किसान संगठनों से जुड़े सैकड़ों लोगों ने पहुंचकर स्वर्गीय रणबीर सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का आयोजन उनके सुपुत्र एवं राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व राष्ट्रीय सचिव दीपक चौधरी के नेतृत्व में किया गया। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने पत्र के माध्यम से एवं विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधियों, किसान नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने स्वर्गीय रणबीर सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय चौधरी रणबीर सिंह ने अपना संपूर्ण जीवन किसानों, मजदूरों और समाज के कमजोर वर्गों की सेवा में समर्पित किया। उन्होंने हमेशा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता दी और समाज में भाईचारे, सहयोग एवं सेवा की भावना को मजबूत करने का कार्य किया। उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्य आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। श्रद्धांजलि सभा के दौरान दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय रणबीर सिंह की पुण्य स्मृति को नमन किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक योगदान और जनसेवा के कार्यों को याद करते हुए उन्हें सच्चा जननायक बताया। आयोजक दीपक चौधरी ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पिता के आदर्शों, सिद्धांतों और समाजसेवा की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प परिवार निरंतर निभाता रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मोदीनगर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, खतौली विधायक मदन भैया, सिवालखास विधायक हाजी गुलाम मोहम्मद, रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी, प्रदेश सचिव रणबीर दहिया, सत्येंद्र तोमर, दीपक वत्स, सुदेश शर्मा, पूर्व विधायक वीरपाल मलिक, सत्येंद्र त्यागी, सुदेश जैन, विनोद गौतम, प्रदीप बॉस, आशीष शर्मा, पूर्व अध्यक्ष कांग्रेस मोदीनगर दिनेश कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में लोगों ने उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है: संजय त्यागी

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला मंत्री संजय त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों के दौरान भारत आज विश्व पटल पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। संजय त्यागी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐतिहासिक जनकल्याणकारी योजनाओं को सफलतापूर्वक धरातल पर उतारा है। इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। बीते 12 वर्षों के दौरान भारत ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, हर घर जल योजना, स्वच्छ भारत अभियान तथा निःशुल्क राशन वितरण जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है। इन योजनाओं के माध्यम से गरीब एवं वंचित वर्ग के लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिला है।

ऑपरेशन क्लीन: 1500 से अधिक अपराधियों का सत्यापन, लोनी-लोनी बॉर्डर में गाजियाबाद पुलिस का बड़ा अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन क्लीन' के तहत लोनी एवं लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्रों में व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पुलिस टीमें चिन्हित अपराधियों के घर-घर पहुंचकर उनकी वर्तमान गतिविधियों की जानकारी जुटा रही हैं। सत्यापन के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि संबंधित व्यक्ति वर्तमान में क्या कार्य कर रहा है तथा कहीं वह पुनः किसी आपराधिक गतिविधि में तो शामिल नहीं है।

इसके साथ ही ऐसे अपराधियों की भी निगरानी की जा रही है जो दूसरे शहरों या राज्यों में रहकर रोजगार अथवा अन्य कार्य कर रहे हैं। आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए पुलिस वीडियो कॉल के माध्यम से उनकी मौजूदगी की पुष्टि कर रही है। वहीं मोबाइल फोन की लोकेशन के जरिए उनके द्वारा दी गई जानकारी का सत्यापन भी किया जा रहा है, जिससे किसी प्रकार की भ्रामक सूचना की संभावना को समाप्त किया जा सके। पुलिस का कहना है कि अभियान का मुख्य उद्देश्य अपराधियों पर सतत निगरानी बनाए रखना, उनकी गतिविधियों का रिकॉर्ड अपडेट करना तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से पुलिस अपराध की संभावित घटनाओं को रोकने और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 1500 से अधिक अपराधियों का सत्यापन किया जा चुका है। आने वाले दिनों में भी यह विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा सके और आम जनता को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। गाजियाबाद पुलिस का यह अभियान अपराधियों के विरुद्ध सतत निगरानी और प्रभावी पुलिसिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ई-पंजीकरण प्रक्रिया के विरोध में बैनामा लेखकों का धरना तीसरे दिन भी जारी,

मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ई-पंजीकरण प्रक्रिया के विरोध में बैनामा लेखकों का धरना शनिवार को तीसरे दिन भी धरना जारी रहा। बैनामा लेखकों विरोध में सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। बैनामा लेखकों ने एसडीएम अजीत कुमार सिंह को बताया कि सरकार बैनामे के कार्य को निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी में है, जिससे बैनामा लेखकों के सामने समस्या खड़ी हो जाएगी। उन्होंने मांग की कि बैनामे की प्रक्रिया पूर्व की भांति ही रहनी चाहिए। एसडीएम ने उनकी बात शासन स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

खराब निर्माण पर चला बुलडोजर, ठेकेदार ब्लैकलिस्ट; एसीईओ की सख्ती से उखड़ा नया पाथवे

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) श्रीलक्ष्मी वीएस ने ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर-3 में उद्यानिक कार्यों की खराब गुणवत्ता और लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने तथा हाल ही में बने पाथवे को उखाड़कर दोबारा निर्माण कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उद्यान विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक से विभागीय कार्यभार भी वापस ले लिया गया है। शनिवार को सेक्टर-3 ए ब्लॉक के निरीक्षण के दौरान एसीईओ को पार्कों की स्थिति बेहद खराब मिली।

पार्क में घास बढ़ी हुई थी, आंधी और बारिश के बाद टूटी पेड़ शाखाओं को नहीं हटाया गया था तथा कई झूले भी क्षतिग्रस्त पाए गए। निरीक्षण के दौरान करीब 10 दिन पहले बने पाथवे की गुणवत्ता की जांच की गई, जिसमें शोल्डर परीक्षण के दौरान ही टूट गया। इससे निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल की आशंका सामने आई। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि पेड़ों के आसपास गुड़ाई नहीं की गई थी, पौधों को समय पर पानी और खाद नहीं दी जा रही थी तथा लंबे समय से छंटाई न होने के कारण स्ट्रीट लाइट और पार्क लाइट पेड़ों से ढकी हुई थीं। पार्कों के रखरखाव में गंभीर लापरवाही मिलने पर एसीईओ ने संबंधित एजेंसी मैसर्स अतर सिंह को ब्लैकलिस्ट करने और उसकी ईएमडी जब्त करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मैसर्स एस.आर. एसोसिएट्स द्वारा निर्मित पाथवे को तत्काल उखाड़कर निर्धारित मानकों के अनुरूप दोबारा बनाने का आदेश दिया गया। एसीईओ ने उप महाप्रबंधक को निर्माण कार्य की निगरानी करने तथा सहायक निदेशक उद्यान ज्ञानेंद्र यादव की देखरेख में दो दिन के भीतर आवश्यक सुधारात्मक कार्य पूरे कराने के निर्देश दिए हैं। उद्यानिक कार्यों में लगातार लापरवाही सामने आने पर वरिष्ठ प्रबंधक उद्यान रामकुमार को भी उनके प्रभार से मुक्त कर दिया गया। एसीईओ ने स्पष्ट चेतावनी दी कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी परियोजना में मानकों की अनदेखी या गुणवत्ता में कमी पाई गई तो संबंधित ठेकेदारों के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण की इस कार्रवाई को विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

मोदी सरकार के 12 वर्षों में उद्योग, व्यापार और सुशासन को नई दिशा मिली : धर्मपाल सिंह

विकास भवन में आयोजित उद्यमी परिचय बैठक एवं मीडिया संवाद कार्यक्रम में बोले प्रभारी मंत्री

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन सभागार में जिला प्रशासन द्वारा उद्यमी परिचय बैठक एवं मीडिया संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने की। इस अवसर पर उद्यमियों, व्यापारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि कृषि और उद्योग सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक न्याय एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि लघु, मध्यम और बड़े उद्योग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति में हुए व्यापक सुधारों के कारण उद्यमियों का विश्वास बढ़ा है और उद्योग एवं व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के विभिन्न जनपदों में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार हुआ है तथा निवेश को नई गति मिली है। उन्होंने उद्यमियों से उद्योगों के विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाकर देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। एनसीआर क्षेत्र में सड़क, रेल और हवाई संपर्क की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे उद्योगों और व्यापार को लाभ मिल रहा है। साथ ही सुरक्षा, विद्युत आपूर्ति और संपर्क व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को भी सुदृढ़ किया गया है।

कार्यक्रम में उपस्थित उद्यमियों एवं व्यापारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश और देश में विकास की नई तस्वीर उभरी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और जिला प्रशासन का सहयोग उद्योग एवं व्यापार क्षेत्र को निरंतर प्राप्त हो रहा है। कानून-व्यवस्था में सुधार से व्यापारियों और उद्यमियों में सुरक्षा की भावना बढ़ी है तथा वे निर्भय होकर अपना व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। उद्यमियों ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी मंत्री ने एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) टूल किट एवं प्रशिक्षण योजना के पांच लाभार्थियों, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के ब्यूटी पार्लर ट्रेड के पांच लाभार्थियों को टूल किट तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के पांच लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति के चेक वितरित किए। इसके उपरांत उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों को भी संबोधित किया।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, महापौर सुनीता दयाल, विधायक डॉ. मंजू सिवाच, विधायक संजीव शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व एमएलसी दिनेश गोयल, भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष चैनपाल सिंह सहित जिला प्रशासन, पुलिस, जीएसटी एवं अन्य विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि, उद्यमी, व्यापारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में भूपेंद्र चौधरी का जनसंपर्क अभियान, उद्योगपतियों-व्यापारियों से संवाद कर गिनाईं मोदी सरकार की उपलब्धियां

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के '12 साल-विश्वास के विकास के, जनकल्याण के' विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने गाजियाबाद में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों से व्यापक जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों और भविष्य की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने उद्योग, चिकित्सा, परिवहन, निर्माण एवं व्यापार जगत से जुड़े प्रमुख लोगों से मुलाकात कर सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

अभियान के दौरान प्रमुख उद्योगपति सुभाष गुप्ता, बिल्डर विनीत गोयल, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रतीक शर्मा, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी विनोद तनेजा, व्यापारी आशुतोष बिंदल और उद्योगपति सुशील अरोड़ा सहित अनेक गणमान्य लोगों से संवाद स्थापित किया गया।

विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भी सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, महामंत्री गौरव चोपड़ा, राजन वाल्मीकि, आशीष चौधरी, महेंद्र यादव तथा महानगर मीडिया प्रभारी नीरज शर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने कहा कि यह अभियान केंद्र सरकार की उपलब्धियों को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन का संकल्प बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जनसंपर्क अभियान के माध्यम से विभिन्न वर्गों के लोगों से सुझाव भी लिए गए, जिससे विकास की योजनाओं को और प्रभावी बनाया जा सके।

नोएडा में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पदार्फाश, 13 गिरफ्तार

फर्जी एयरलाइन टिकट बेचकर विदेशी नागरिकों से करोड़ों की ठगी, 13 लैपटॉप और 16 मोबाइल बरामद

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने फर्जी एयरलाइन टिकट बुकिंग के नाम पर अमेरिका और यूरोप के नागरिकों से साइबर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 13 लैपटॉप, 16 मोबाइल फोन समेत साइबर अपराध में प्रयुक्त अन्य डिजिटल उपकरण बरामद किए हैं।

आरोपी Google Ads और Facebook पर विज्ञापन देकर विदेशी नागरिकों को अपने जाल में फंसाते थे। कॉल आने पर खुद को एयरलाइन या ट्रैवल एजेंसी का अधिकारी बताकर सस्ती टिकट उपलब्ध कराने का झांसा देते और अंतरराष्ट्रीय पेमेंट गेटवे के माध्यम से डॉलर में भुगतान प्राप्त कर लेते थे। कई मामलों में फर्जी टिकट भेजे जाते थे, जबकि कई पीड़ितों को टिकट जारी ही नहीं किए जाते थे।

जांच में सामने आया है कि आरोपी उच्च शिक्षित हैं और अमेरिकी तथा यूरोपीय लहजे में बातचीत कर विदेशी नागरिकों का विश्वास जीत लेते थे। बरामद डिजिटल उपकरणों की जांच में लगभग 10.50 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 10 करोड़ रुपये) के लेनदेन और बड़ी संख्या में विदेशी पीड़ितों का डेटा मिला है।

पुलिस का कहना है कि यह एक संगठित अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की विस्तृत जांच जारी है।

पुलाव में निकले कीड़े, ऑनलाइन फूड ऑर्डर ने बिगाड़ा परिवार का डिनर

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी के जरिए मंगाए गए भोजन में कथित तौर पर कीड़े मिलने का मामला सामने आया है। पाली गांव निवासी एक युवक ने आरोप लगाया है कि रामपुर मार्केट स्थित श्री कान्हा रेस्टोरेंट से मंगाए गए वेज पुलाव में कीड़े निकले, जिससे पूरे परिवार को खाना छोड़ना पड़ा।

युवक ने एक फूड डिलीवरी ऐप के माध्यम से करीब 400 रुपये का भोजन ऑर्डर किया था। परिवार के साथ भोजन करने के दौरान जब वेज पुलाव का पैकेट खोला गया तो उसमें कई कीड़े दिखाई दिए। यह देखकर परिवार के सदस्य हैरान रह गए और उन्होंने भोजन नहीं किया।

पीड़ित युवक का कहना है कि उसने रेस्टोरेंट संचालक से शिकायत की, लेकिन उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उसने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म और संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

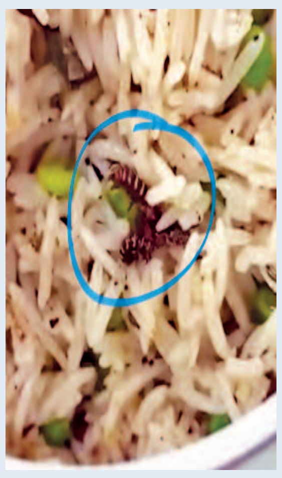

मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पुलाव के अंदर कीड़े दिखाई देने का दावा किया जा रहा है।

घटना के बाद लोगों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर चिंता बढ़ गई है। फिलहाल खाद्य सुरक्षा विभाग से मामले की जांच और आवश्यक कार्रवाई की अपेक्षा की जा रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि भोजन की गुणवत्ता में लापरवाही कहां हुई और जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी।

50 हजार का इनामी अपहरण-हत्याकांड आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी पुलिस ने चर्चित ओमकार सिंह अपहरण एवं हत्या प्रकरण में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि 30 मई को ग्राम गनौली निवासी ओमकार सिंह के अपहरण मामले में वांछित आरोपी बंथला से चिरोड़ी की ओर आने वाला है। सूचना के आधार पर थाना लोनी पुलिस ने बंथला-चिरोड़ी मार्ग स्थित नहर के पास सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान एक संदिग्ध सफेद स्विफ्ट कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक वाहन लेकर भाग निकला।

पुलिस टीम ने पीछा किया तो कुछ दूरी पर आरोपी की कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इसके बाद आरोपी वाहन से उतरकर पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगा। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के दोनों पैरों में गोली लग गई। घायल होने के बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान गौरव नागर पुत्र गजराज, निवासी ग्राम बादलपुर, थाना बादलपुर, जनपद गौतमबुद्ध नगर के रूप में बताई। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर ग्राम गनौली निवासी ओमकार पुत्र राममेहर का अपहरण किया था। बाद में उसकी हत्या कर शव को मेरठ रोड स्थित गंगानगर क्षेत्र में फेंक दिया गया था।

पुलिस के मुताबिक इस मामले में थाना लोनी में मुकदमा अपराध संख्या 152/2026 के तहत विभिन्न गंभीर धाराओं में केस दर्ज है। आरोपी की गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था और पुलिस उसकी लगातार तलाश कर रही थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं, जिनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। लोनी पुलिस की इस कार्रवाई को चर्चित अपहरण एवं हत्या कांड की जांच में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

दो साल की बच्ची के फूल तोडने पर भड़का खूनी बवाल

गाजियाबाद। मोदीनगर क्षेत्र के भोजपुर थाना अंतर्गत गांव नंगौला अमीपुर में शुक्रवार दोपहर एक मामूली बात को लेकर ऐसा विवाद भड़क उठा, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप धारण कर लिया। पड़ोसी के घर से दो वर्षीय बच्ची द्वारा फूल तोड़ लेने की घटना ने दो परिवारों के बीच ऐसा तनाव पैदा कर दिया कि आरोपियों ने कथित तौर पर घर में घुसकर महिलाओं, बच्चों और पुरुषों पर सरिया, फावड़ा तथा लाठी–डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में मासूम बच्ची समेत सात लोग घायल हो गए, जबकि एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर रेफर करना पड़ा। घटना शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे की बताई जा रही है। पीड़ित पक्ष के अनुसार आसिफ की दो वर्षीय पुत्री अनाया घर के आंगन में खेल रही थी। खेलते–खेलते वह पड़ोसी के घर पहुंच गई और वहां लगे पौधे से एक फूल तोड़ लिया। आरोप है कि इस बात से नाराज पड़ोसी महिला ने बच्ची को धक्का देकर गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिवार के सदस्य मौके पर पहुंचे और घटना का विरोध किया। परिजनों का आरोप है कि जब सायदा और उनकी भतीजी रिजा पड़ोसी के घर शिकायत करने पहुंचीं तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया और मारपीट शुरू कर दी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी पक्ष के कई लोग एकजुट होकर हथियारनुमा सामान लेकर पीड़ित परिवार के घर पहुंच गए।